20 जुलाई 2025
रविवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

टेलर के रौंदने से स्वच्छता पर्यवेक्षक की मौके पर मौत, इलाज के दौरान महिला कर्मी की गई जान

2

यमुना एक्सप्रेसवे पर हुए दो हादसेः छह की मौत, दो दर्जन से अधिक जख्मी

एजेंसी/नई दिल्ली

♦ पहली घटना में अज्ञात वाहन से टकराई कार, दूसरी में पटली बस

यूपी में शुक्रवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसा मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर हुआ। यहां एक अज्ञात वाहन ने एक ईको गाड़ी को टक्कर मार दी। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। ईको में सवार लोग दिल्ली से कानपुर जा रहे थे।

पुलिस सूत्रों के अनुसार हादसा यमुना एक्सप्रेसवे पर माइल स्टोन 140 किमी पर बलदेव थाना इलाके में हुआ। हादसे के बाद राहगीरों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ईको सवारों को बाहर निकालकर अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने छह लोगों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, दो घायलों का इलाज जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही डीएम और एसएसपी दोनों जिला अस्पताल पहुंचे और उन्होंने घायलों से बातचीत कर उनका हाल-चाल जाना। साथ ही डॉक्टरों को सही उपचार करने के दिशा-निर्देश दिए।

पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा है। क्षेत्राधिकारी संजीव कुमार राय और थाना प्रभारी रंजना सचान ने बताया इको गाड़ी को अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी है। मृत लोगों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अज्ञात वाहन का पता लगाया जा रहा है। वहीं, इस भीषण सड़क दुर्घटना में जिन छह लोगों की मौत हुई है उनमें से पांच मृतकों की पहचान हो गई है। हादसे में आगरा के हरलालपुरा निवासी धर्मवीर, उनके दो बेटे रोहित और आर्यन की मौत हो गई। इसके अलावा, मध्य प्रदेश के मुरैना जिले के बढ़पुरा हुसैन गांव के दो सगे भाई दलवीर उर्फ छुल्ले और पारस तोमर की भी इस हादसे में जान चली गई। वहीं एक अन्य मृतक की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है। दूसरी ओर घायलों में धर्मवीर की पत्नी सोनी और बेटी पायल शामिल हैं, जिन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर बस पलटी दो दर्जन घायल

बलदेव थाना क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस वे माइल स्टोन 131 पर बस चालक के सो जाने से बस पलट गई। बस में सवार 29 सवारियां घायल हैं, कुछ के हल्की फुल्की चोट आई हैं। तीन लोग गंभीर घायल हैं। यमुना एक्सप्रेस-वे पर समय करीब 3 :30 बजे दिल्ली से मध्य प्रदेश भिंड के लिए बस जा रही थी। रास्ते में यमुना एक्सप्रेसवे पर माइलस्टोन 131 किमी पर पलट गई। जिसमें करीब 60 से 65 यात्री बैठे हुए थे। बस में बैठे चर लोग अक्षय, पूजा पुत्री रामवृक्ष, मोनू रावत पुत्र मुंशी रावत, राहुल रावत पुत्र बाबूलाल के अलावा दर्जनभर से अधिक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनको जिला अस्पताल भेज दिया गया है।

निगरानी विभाग ने समस्तीपुर की महिला एसआई व उनके चालक को किया गिरफ्तार

केटी न्यूज/पटना

बिहार में निगरानी ने शनिवार को समस्तीपुर महिला प्रभारी व एसआई पुतुल कुमारी पर कार्रवाई की। विजिलेंस की टीम ने पुतुल कुमारी को 20 हजार रुपए घूस लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। महिला थानेदार की गिरफ्तारी से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है।

मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के छतौना गांव के राजीव रंजन से मारपीट के एक मामले में रिश्वत ले रही थी। पुतुल कुमारी और उनके ड्राइवर को भी रिश्वत लेते दबोचा गया है। विजिलेंस की टीम ने समस्तीपुर में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए महिला

थाना अध्यक्ष और उनके ड्राइवर को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई निगरानी विभाग द्वारा की गई, जिसमें मुफस्सिल थाना क्षेत्र के छतौना गांव निवासी राजीव रंजन की शिकायत पर एक्शन लिया गया। राजीव रंजन ने आरोप लगाया था कि महिला थाना अध्यक्ष ने उनसे 20 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी।

अमेरिकी राष्ट्रपति के दावे को लेकर नेता प्रतिपक्ष ने उठाए सवाल, कहा-

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को बताएं सैन्य संघर्ष में पांच विमानों का सच

♦ बोले राहुल... पीएम को इस बारे में संसद के भीतर स्पष्टीकरण देना चाहिए

एजेंसी/नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया सैन्य संघर्ष का दौरान पांच लड़ाकू विमानों के गिराए जाने संबंधी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे को लेकर शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बताना चाहिए कि पांच जहाजों का सच क्या है, क्योंकि यह जानना देश का हक है। वहीं, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को अब इस बारे में संसद के भीतर स्पष्टीकरण देना चाहिए।

ट्रंप ने कहा कि इस साल मई में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के दौरान पांच लड़ाकू विमान मार गिराए गए। उन्होंने अपना यह दावा भी फिर दोहराया कि उनके हस्तक्षेप के बाद यह संघर्ष खत्म हुआ। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह स्पष्ट नहीं किया कि क्या विमान दोनों देशों में से किसी एक ने खोए या क्या वह दोनों पक्षों के संयुक्त नुकसान का

जिक्र कर रहे थे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ट्रंप के बयान का वीडियो साझा करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया कि मोदी जी, 5 जहाजों का सच क्या है? देश को जानने का हक है।

वहीं दूसरी ओर कांग्रेस नेता रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि संसद के मॉनसून सत्र की शुरूआत से ठीक दो दिन पहले ट्रंप मिसाइल 24वीं बार दागी गई और हर बार की तरह इस बार भी वही दो बातें दोहराई गईं। उन्होंने ट्रंप के बयान का उल्लेख करते हुए कहा कि अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान, दो परमाणु संपन्न देशों के बीच युद्ध रुकवा दिया। अगर युद्ध जारी रहता तो कोई व्यापार समझौता नहीं होता। यानी भारत और पाकिस्तान को अमेरिका के साथ व्यापारिक समझौते के लिए तत्काल संघर्षविराम को मानना पड़ा।

भाजपा ने किया पलटवारः वहीं भाजपा ने राहुल गांधी के बयान पर पलटवार किया है। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने लिखा कि राहुल गांधी की मानसिकता एक देशद्रोही की है। ट्रंप ने अपने बयान में न तो भारत का नाम लिया, न ही यह कहा कि वे पांच जहाज भारत के थे। फिर कांग्रेस के युवराज ने उन्हें भारत के ही क्यों मान लिया? पाकिस्तान के क्यों नहीं माने? क्या उन्हें अपने देश से ज्यादा हमदर्दी पाकिस्तान से है? सच्चाई यह है कि ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान अब तक उबरा नहीं हैङ्ग लेकिन दर्द राहुल गांधी को हो रहा है! जब भी देश की सेना दुश्मन को सबक सिखाती है, तब कांग्रेस को मिर्ची लगती है। भारत विरोध अब कांग्रेस की आदत नहीं, पहचान बन चुका है। राहुल गांधी बताएं- वह भारतीय हैं या पाकिस्तान के प्रवक्ता?

इंडिया गठबंधन की बैठक से पूर्व कांग्रेस व माकपा में वाकयुद्ध, टीएमसी जुड़ी और आप हुई बाहर

नई दिल्ली। शनिवार को इंडिया गठबंधन की ऑनलाइन मीटिंग से पहले, कांग्रेस और सीपीआई(एम) यानी माकपा में मतभेद हो गया। यह मतभेद राहुल गांधी के उस बयान पर हुआ जिसमें उन्होंने कहा था कि वे माकपा से से वैचारिक रूप से लड़ रहे हैं। राहुल गांधी के इस बयान पर माकपा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। बहरहाल, केरल के कोट्टायम में एक जनसभा में राहुल गांधी ने कहा कि मैं आरएसएस और माकपा से वैचारिक रूप से लड़ता हूं। मैं उनसे विचारों के स्तर पर लड़ता हूं। मेरी सबसे बड़ी शिकायत उनसे यह है कि उनके अंदर लोगों के लिए भावनाएं नहीं हैं। आप चाहे जो भी भाषण दें, अगर आपके अंदर लोगों के लिए भावनाएं नहीं हैं, आप लोगों से जुड़ने और उन्हें गले लगाने के लिए तैयार नहीं हैं, तो आप नेता नहीं बन सकते।

माकपा ने राहुल गांधी के इस बयान को बेतुका बताया है। माकपा ने जारी बयान में कहा कि संघ और माकपा को एक समान बताने वाले अपने बेतुके और निंदनीय बयान में, राहुल गांधी यह भूल जाते हैं कि केरल में आरएसएस से कौन लड़ रहा है। माकपा ने भगवा आतंक का विरोध करते हुए अपने अनगिनत समर्पित कार्यकताओं को खो दिया है। वहीं, केरल में कांग्रेस और आरएसएस दोनों मिलकर कम्युनिस्ट विरोधी भावनाएं व्यक्त कर रहे हैं। जैसे ही राहुल गांधी केरल में कदम रखते हैं, वे भी वही भाषा बोलते हैं। इस बीच, टीएमसी ने पहले मॉनसून सत्र को लेकर विपक्षी दलों की मीटिंग में शामिल न होने का फैसला किया था, लेकिन अब वह भी इस बैठक में भाग लेगी। शनिवार की इंडिया गठबंधन की मीटिंग में टीएमसी भी हिस्सा लेगी। वहीं, आम आदमी पार्टी इस मीटिंग में शामिल नहीं होगी। आप का कहना है कि वह अब इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं है।

दक्षिण चीन सागर में अभ्यास के लिए जाएंगे भारतीय नौसेना के चार जहाज

एजेंसी/नई दिल्ली

अगस्त माह के पहले सप्ताह में फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर भारत के दौरे पर आ रहे हैं। वह चार से आठ अगस्त तक भारत की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। इस बीच तीन और चार अगस्त को भारत और फिलीपींस की नौसेना पहला संयुक्त समुद्री अभ्यास कर सकती हैं।

यह अभ्यास फिलीपींस के तट पर दक्षिण चीन सागर के पास होगा। वहीं भारत और फिलीपींस के बीच बढ़ते रक्षा संबंधों और चीन के दबदबे को देखते हुए राष्ट्रपति का यह दौरा काफी महत्वपूर्ण है। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड

मार्कोस जूनियर चार से आठ अगस्त तक भारत की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। उच्च अधिकारियों के अनुसार, राष्ट्रपति यात्रा के दौरान तीन और चार अगस्त को दोनों देशों की नौसेनाएं पहला संयुक्त द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास करेंगी। दोनों सेनाओं का यह अभ्यास पश्चिमी फिलीपींस के तट पर रणनीतिक जल क्षेत्र में होगा। यह इलाका दक्षिण चीन सागर और स्कारबोरो शोल के करीब है।

स्कारबोरो शोल पर दावा करते हैं फिलीपींस और चीनः स्कारबोरो शोल वह क्षेत्र है, जहां पर फिलीपींस और चीन देश दोनों अपना दावा करते हैं। दोनों देश इसकी संप्रभुता और संसाधनों, खासकर मछली को लेकर विवाद करते हैं। यह फिलीपींस के तट से 200 किलोमीटर दूर उसके विशेष आर्थिक क्षेत्र में स्थित है। चीन दक्षिण चीन सागर के ज्यादातर हिस्से पर अपना दावा करता है। इस वजह से फिलीपींस के साथ उसका टकराव होता रहता है। 2016 में यूएन कन्वेंशन ऑन द लॉ ऑफ द सी के तहत चीन के दावे को खारिज कर दिया गया था। लेकिन, चीन अब भी अपनी मर्जी चलाता है।

महिला पर फायरिंग, जांच में जुटी पुलिस

पटना। राजधानी के बहादुरपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात दो गुटों के बीच हुए झगड़े ने हिंसक रूप ले लिया और एक युवक ने इसी दौरान गोली चला दी। इस फायरिंग में सड़क किनारे अंडा बेचने वाली 45 वर्षीय बेबी देवी घायल हो गईं। गोली उनके शरीर को छूकर निकली, जिसके बाद उन्हें तुरंत पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी स्थिति अब खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना के बाद दोनों गुटों के युवक मौके से फरार हो गए। इसको लेकर पुलिस जांच में जुट गई है।

खतराः पटना में उफान पर गंगा

केटी न्यूज/पटना

बिहार में लगातार बारिश और नेपाल से छोड़े गए पानी के कारण गंगा नदी रौद्र रूप में आ चुकी है। राजधानी पटना में गंगा कई घाटों पर खतरे के निशान को पार कर चुकी है, जिससे दियारा व निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं।

जल संसाधन विभाग ने हाई अलर्ट जारी किया है और बांधों की 24 घंटे निगरानी शुरू कर दी है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में तैनात हैं, जबकि जिला प्रशासन ने राहत और बचाव के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। विभाग की रिपोर्ट के अनुसार पटना के प्रमुख घाटों पर गंगा का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर चुका है या उसके करीब है। गांधी घाट पर जलस्तर 48.76 मीटर, दीघा घाट पर 50.13 मीटर, मनेर में 51.73 मीटर और हथिदह में 41.54 मीटर दर्ज किया गया। देवनानाला में जलस्तर 165.50 फुट है जो खतरे के निशान 167 फुट से थोड़ा नीचे है। पिछले दो दिनों में जलस्तर में ढाई फुट की वृद्धि हुई

एक ही परिवार के पांच लोगों ने खाया जहर, चार की मौत

केटी न्यूज/पटना

बिहार के नालंदा में एक ही परिवार के पांच लोगों ने जहरीला पदार्थ खा लिया। मामला पावापुरी थाना क्षेत्र स्थित पावा गांव का है। इस घटना में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक की हालत नाजुक बनी हुई है। सभी को गंभीर स्थिति में विम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित परिवार शेखपुरा जिले के पूरनकामा गांव का है।

मृतकों की पहचान 16 वर्षीय दीपा कुमारी, 14 वर्षीय अरिका कुमारी, 38 वर्षीय सोनी कुमारी और 15 वर्षीय शिवम कुमार के रूप में हुई है। परिवार के अन्य सदस्य में

40 वर्षीय धर्मेंद्र कुमार शामिल हैं।

बताया जा रहा है कि यह परिवार बीते छह महीने से पावापुरी जल मंदिर के सामने एक किराए के मकान में रह रहा था। धर्मेंद्र कुमार ने यहां कपड़े की दुकान खोली थी, लेकिन लगातार घाटा और करीब पांच लाख रुपये के कर्ज के चलते परिवार मानसिक तनाव में था। घटना की जानकारी मिलते ही राजगीर डीएसपी सुनील कुमार, इंस्पेक्टर मनीष भारद्वाज और पावापुरी ओपी प्रभारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। धर्मेंद्र कुमार का छोटा बेटा सुरक्षित है, क्योंकि उसने जहरीला पदार्थ नहीं खाया था। वह पुलिस की निगरानी में है। पावापुरी अस्पताल के डॉ. दिव्यांश के अनुसार पांचों मरीजों को जहरीला पदार्थ खाने की स्थिति में यहां लाया गया था। जिसमें चार लोगों की मौत हो चुकी है। अन्य एक की हालत गंभीर है और बेहतर इलाज की कोशिश की जा रही है। आस-पास के लोग परिवार को बचाने के लिए तत्काल उन्हें पावापुरी विम्स अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच के बाद सभी की हालत नाजुक बताई थी।

प्रधानमंत्री मोदी आज करेंगे छत्तीसगढ़ के 22 सीनियर भाजपा नेताओं के साथ बैठक

केटी न्यूज/नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी आज छत्तीसगढ़ के 22 सीनियर बीजेपी नेताओं के साथ एक अहम बैठक करने वाले हैं। यह बैठक राज्य में पार्टी के नेतृत्व और समन्वय को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। बताया जा रहा है कि यह बातचीत उन नेताओं के साथ होगी जिन्होंने वर्षों से प्रधानमंत्री मोदी के साथ संगठनात्मक या प्रशासनिक स्तर पर कमा किया है।

बैठक में छत्तीसगढ़ के कई प्रमुख नेता शामिल होंगे, जिनमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय प्रमुख हैं। वह मोदी कैबिनेट में मंत्री भी रह चुके हैं और पीएम मोदी से उनके पुराने रिश्ते भी हैं। साथ ही, विधानसभा के अध्यक्ष डॉ रमन सिंह भी बैठक में शामिल होंगे। इन दोनों के अलावा कई ऐसे नेता हैं जिन्हें पीएम का करीबी माना जाता है वह भी बैठक में शामिल होंगे।

जानकारी के अनुसार, इन दोनों के अलावा बैठक में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व वर्तमान विधायक धरमलाल कौशिक, रायपुर लोकसभा सीट से सांसद बृजमोहन अग्रवाल, पूर्व मंत्री और मौजूदा विधायक राजेश मूणत, अमर अग्रवाल के अलावा कई बड़े नेतागण भी शामिल होंगे।

झुमका, नथिया व बाली पहनकर ड्यूटी करने वाली महिला पुलिसकर्मी गिरा गाज

सारण एसपी ने चार महिला पुलिसकर्मियों पर की बड़ी कार्रवाई

केटी न्यूज/पटना

बिहार में महिला पुलिस कर्मियों ने अगर नथिया, झुमका, बाली पहनकर ड्यूटी की तो उन पर गाज गिर जायेगी। पुलिस मुख्यालय ऐसा आदेश पहले ही जारी कर चुका है। शनिवार को चार महिला पुलिसकर्मियों को इसकी सजा भी मिल गयी। सारण एसपी साहब उन्हें साजो-श्रृंगार के साथ ड्यूटी करते पकड़ा और सख्त कार्रवाई कर दी। सारण के पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष निरीक्षण करने निकले थे। वहां उन्होंने देखा कि महिला पुलिसकर्मियां ड्यूटी के

दौरान आभूषण धारण किये हैं। एसपी ने तत्काल प्रभाव से उनका वेतन रोक दिया है, इसके साथ ही स्पष्टीकरण भी मांगा है कि क्यों नहीं उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाये।

जानकारी के अनुसार शनिवार को वरीय पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष छपरा शहर में निरीक्षण करने के लिए निकले थे। उन्होंने छपरा नगर थाना क्षेत्र के डाक बंगला रोड स्थित तनिष्क ज्वेलर्स के आस-पास सुरक्षा-व्यवस्था बनाये रखने के लिए तैनात पुलिस पदाधिकारी और सिपाहियों का औचक निरीक्षण किया। एसपी ने अपने निरीक्षण में पाया कि सिपाही/1447 प्रीति कुमारी, बीएसएपी/ 559 अनु कुमारी, बीएसएपी/412 दिपाली साह एवं बीएसएपी/ 155 बिन्दु कुमारी अपनी ड्यूटी को ठीक से नहीं कर रही थी और जानबूझ कर प्रतिनियुक्ति स्थल पर निष्क्रिय थीं। एसपी की ओर से जारी आदेश के मुताबिक ये चारो महिला सिपाही पुलिस मुख्यालय द्वारा दिए गये निर्देश की अवहेलना करते हुए ड्यूटी के दौरान बड़े आकार के आभूषण धारण की हुई थी। ऐसे में तत्काल प्रभाव से वेतन रोकते हुए उनसे ये स्पष्टीकरण मांगा गया है कि क्यों नहीं उनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू कर दी जाये। बता दें कि बिहार के पुलिस मुख्यालय ने आदेश जारी कर रखा है कि महिला सिपाही से लेकर पदाधिकारी को ड्यूटी के दौरान बड़े आकार के आभूषण जैसे झुमका, नथिया, चूड़ियां और दूसरे श्रृंगार प्रसाधन को नहीं पहनना है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का डीएम ने किया निरीक्षण, तटबंधों की निगरानी व कटाव रोकने के निर्देश

- गंगौली से जनेश्वर मिश्र सेतू के संपर्क पथ पर चढ़ा बाढ़ का पानी
- मार्ग पर परिचालन रोकने का दिया गया निर्देश

केटी न्यूज/डुमरांव

डीएम डॉ. विद्यानन्द सिंह ने डुमरांव अनुमंडल अंतर्गत बाढ़ प्रभावित अंचलों सिमरी, चक्की और ब्रह्मपुर का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कोईलवर तटबंध और बड़की नैनीजोर क्षेत्र में हो रहे गंगा नदी के कटाव का भी गहन अवलोकन किया। निरीक्षण के क्रम में यह पाया गया कि गंगौली के पास बांध और ज्ञानेश्वर मिश्र सेतु के बीच गंगा का पानी तेजी से फैल रहा है और आसपास के क्षेत्रों में प्रवेश कर चुका है। इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने अंचलाधिकारी को निर्देशित किया कि मौके पर निरीक्षण कर किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचाव के लिए आवश्यक कदम उठाएं और आवश्यकता होने पर आवागमन पर रोक लगाने की कार्रवाई करें। वहीं, कार्यपालक अभियंता, बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल बक्सर को पूरे तटबंध क्षेत्र की चौबीसों घंटे निगरानी सुनिश्चित करने और सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने का सख्त निर्देश दिया गया। बडकी नैनीजोर के कटाव स्थल पर पहुंचे डीएम ने अभियंताओं की टीम के साथ स्थल का निरीक्षण किया और मुख्य अभियंता से वार्ता कर शीघ्र कटाव रोकने हेतु कारगर कदम उठाने को कहा। इस दौरान कटाव प्रभावित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से भी डीएम ने संवाद किया और विभागीय स्तर पर हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि बाढ़ से बचाव के लिए पर्याप्त मात्रा में सुरक्षा सामग्री का भंडारण किया जाए और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सतत निगरानी रखी जाए। निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता बक्सर, डुमरांव एसडीओ राकेश कुमार, जिला परिषद अध्यक्ष, संबंधित बीडीओ, सीओ एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के अभियंता समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

गंगा और सहायक नदियों का प्रकोप बढ़ा

बक्सर। बक्सर जिले में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे अब जिले के निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बनते नजर आ रहे हैं। शुक्रवार की सुबह 11 बजे गंगा का जलस्तर 59 .40 मीटर तक पहुंच गया, जो चेतावनी बिंदु को पार कर चुका है। हालांकि खतरे का निशान 60 .32 मीटर पर है, लेकिन जलस्तर की निरंतर वृद्धि से स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ गई है। गंगा के साथ ही इसकी सहायक नदियां कर्मनाशा और धर्मावती भी उफान पर हैं। चौसा प्रखंड के बनारपुर गांव में कर्मनाशा का जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा है, जिससे गांव के निचले हिस्सों में पानी घुस गया है। खासकर वार्ड संख्या 9 की अतिपिछड़ा बस्ती के दर्जनों घर पानी में डूबने की कगार पर हैं। ग्रामीणों के अनुसार छेदी धोबी, हनुमान चौधरी, अकालू चौधरी, घनश्याम, केदार चौधरी, लेदर जैसे कई परिवारों के घरों और झुग्गियों में पानी प्रवेश कर चुका है।हालात बिगड़ते देख लोग मवेशियों, घरेलू सामान और चारा लेकर सुरक्षित व ऊंचे स्थानों की ओर पलायन करने लगे हैं। रामपुर, डिहरी, रोहनिभान और सोनपा गांवों में भी कर्मनाशा का पानी फैल चुका है। उधर, राजपुर और चौसा प्रखंड के तिवाय गांव में धर्मावती नदी का जलस्तर बढ़ने से खेतों में खड़ी फसलें जलमग्न हो गई हैं।

कोरानसराय थाना क्षेत्र के खलवा ईनार गांव के समीप एनएच 120 पर हुआ भीषण हादसा, विरोध में ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

टेलर के रौंदने से स्वच्छता पर्यवेक्षक की मौके पर मौत, इलाज के दौरान महिला कर्मी की गई जान

- सड़क किनारे बाइक पर बैठे स्वच्छताकर्मियों को रौंदते हुए चाय दुकान में जा घुसी अनियंत्रित टेलर

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव बिक्रमगंज पथ पर बालू लदी एक अनियंत्रित टेलर सड़क किनारे बाइक पर बैठे एक युवक व युवती को रौंदते हुए दुकान में जा घुसी। इस हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि युवती ने पटना के पीएमसीएच में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। दोनों डुमरांव प्रखंड में संविदा पर स्वच्छता पर्यवेक्षक के पद पर कार्यरत थे तथा शुक्रवार को कसिया पंचायत में स्वच्छता अभियान के तहत हुए कार्यों का ऑडिट कराने के लिए आए थे तथा सड़क किनारे बाइक पर ही बैठ ऑडिटर के आने का इंतजार कर रहे थे, इसी दौरान कोरानसराय की तरफ आ रही बालू लदी टेलर एक टेम्पो को बचाने में अनियंत्रित हो गई तथा सड़क किनारे बाइक पर बैठे स्वच्छताकर्मियों को रौंदते हुए उनके पीछे सड़क किनारे स्थित एक झोपड़ीनुमा चाय की दुकान में जा घुसी। हादसे को अंजाम दे टेलर चालक खेत के रास्ते भागने में सफल रहा, जबकि खलासी को ग्रामीणों ने पकड़ पुलिस के हवाले कर दिया है। मृतक की बाइक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई थी तथा वहां सड़क खून से लाल हो गई थी।

घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने खलवा इनार के पास डुमरांव बिक्रमगंज पथ को जाम कर दिया। इसकी सूचना मिलते ही डुमरांव एसडीपीओ के नेतृत्व में कोरानसराय तथा डुमरांव थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। साथ बीडीओ संदीप कुमार पांडेय, राजस्व अधिकारी सह प्रभारी सीओ कुमार दिनेश आदि भी पहुंच सड़क जाम करने वाले को उचित मुआवजा तथा मृतक के एक स्वजन को उसके जगह पर पर्यवेक्षक की नौकरी का आश्वासन दे जाम हटवाया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेजा।

मृतक की पहचान स्थानीय खलवा इनार गांव निवासी श्रीभगवान यादव के 30 वर्षीय पुत्र रंजन कुमार सिंह के रूप में हुई है जबकि महिला कर्मी की शिनाख्त प्रियंका कुमारी (27 वर्ष) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले की रहने वाली है। दोनों डुमरांव प्रखंड में स्वच्छता पर्यवेक्षक थे तथा कसिया पंचायत में रंजन की तैनाती की गई थी।

बोला चश्मदीद, चंद पलों में ही सबकुछ हो गया खत्म : मौके पर मौजूद छतनवार पंचायत के स्वच्छता पर्यवेक्षक धनजी यादव ने बताया कि वे लोग खलवा इनार में ही थे। रंजन तथा प्रियंका जिस जगह पर थे, उससे महज 10 मीटर पीछे हमलोग थे। अभी रंजन किसी से फोन पर बात कर रहा था, इसी दौरान काल बनकर आई टेलर ने चंद पलों में ही दोनों को रौंद दिया। धनजी का कहना है कि हादसा इतना तेज था कि किसी को कुछ समझने या बचाव करने का मौका ही नहीं मिला।

कसिया पंचायत के ऑडिट के लिए आए थे सभी: मिली जानकारी के अनुसार उनके पंचायत में स्वच्छता कार्यों का ऑडिट होने वाला था इसी के तहत दोनों खलवा इनार में मुख्य पथ के किनारे खड़े हो ऑडिटर के आने का इंतजार कर रहे थे, इसी दौरान वे हादसे का शिकार हो गए।

घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई थी वहीं ग्रामीणों के आक्रोश का शिकार कई राहगीरों को होना पड़ा। जबकि प्रशासनिक अधिकारियों की सूझबूझ ने ग्रामीणों के आक्रोश को शांत कर दिया। एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने बताया कि खलासी को हिरासत में लिया गया है। चालक की तलाश की जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही चालक को पकड़ा जाएगा।

घटना के बाद मर्माहत दिखे डुमरांव बीडीओ : वहीं बीडीओ संदीप कुमार पांडेय इस घटना से काफी मर्माहत दिखे। उन्होंने कहा कि रंजन काफी कर्तव्यनिष्ठ व व्यवहार कुशल था। जबकि प्रियंका भी संजीदगी से अपने दायित्वों का निर्वहन करती थी। उन्होंने कहा कि दोनों कर्मियों का असामयिक निधन मेरे लिए अपूरणीय क्षति है। घटना स्थल पर बीडीओ कुछ देर के लिए भावुक भी हो गए थे। बीडीओ ने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

बोले डुमरांव विधायक घटना दुखद, बाइपास निर्माण में देरी को बताया कारण: घटना स्थल पर पहुंचे डुमरांव विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह ने इस घटना पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने कहा कि अगर आज बाइपास का निर्माण हो गया होता है तो यह हादसा नहीं होता। विधायक ने कहा कि पांच साल पहले ही मैंने डुमरांव में बाइपास सड़क को स्वीकृति दिलवाई थी, लेकिन अभी तक प्रशासनिक स्तर से जमीन अधिग्रहण का मामला नहीं सुलझाया गया। जिस कारण बाइपास निर्माण में देरी हो रही है। प्रशासन के अधिकारियों पर लगातार दबाव बनाया जा रहा है।

एक नजर

महिला ने फांसी लगाकर दी जान, आत्महत्या के कारणों की जांच में जुटी पुलिस

बक्सर। जिले के धनसोई थाना क्षेत्र अंतर्गत करैला टोला गांव में शनिवार सुबह एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान रजनी कुमारी के रूप में हुई है, जो गांव के सुरेंद्र चौधरी की पत्नी थीं। परिजनों के मुताबिक, शुक्रवार रात रजनी सभी के साथ सामान्य रूप से व्यवहार कर रही थी। उसका पति खाना खाने के बाद घर के बाहर सो गया था। सुबह जब काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला, तो परिवार वालों को शक हुआ। अंदर झांककर देखा गया तो रजनी पंखे से लटकी मिली। सूचना मिलते ही धनसोई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए बक्सर सदर अस्पताल भेज दिया गया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। आत्महत्या के पीछे की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस हर पहलु से जांच कर रही है।रजनी कुमारी का मायका रोहतास जिले के दिनारा थाना क्षेत्र के सुंदरबन गांव में है। घटना की जानकारी मिलते ही मायके से भी परिजन करैला टोला पहुंच गए।धनसोई थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। परिजनों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल किसी तरह की लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

स्वच्छता व सुरक्षा को लेकर विद्यालयों में चला विशेष जागरूकता अभियान

केसठ । शनिवार को प्रखंड के सभी विद्यालयों में स्वच्छता सुरक्षा पखवारा के तहत व्यापक रूप से जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान शिक्षकों ने बच्चों को स्वच्छता और सुरक्षा के महत्व की जानकारी दी। कार्यक्रम के तहत हाथ धुलाई, शारीरिक सफाई और स्वच्छ आदतों पर विशेष बल दिया गया।मध्य विद्यालय केसठ, प्राथमिक विद्यालय केसठ, प्राथमिक विद्यालय पोखरा टोला समेत अन्य विद्यालयों में नामित फोकल शिक्षकों द्वारा बच्चों को बताया गया कि स्वच्छता के बिना स्वस्थ जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। मध्य विद्यालय केसठ के शिक्षक मुकेश कुमार ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि संक्रमण से बचाव के लिए साबुन से नियमित रूप से हाथ धोना आवश्यक है। इससे डायरिया, पीलिया, दस्त जैसे कई रोगों से बचा जा सकता है।साथ ही घर और परिवेश की साफ-सफाई, कूड़ेदान का प्रयोग तथा बाल संसद, मीना मंच और विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति की सक्रियता बनाए रखने की अपील की गई। मौके पर सुनील कुमार, मुन्ना भारती, बीरू द्विवेदी सहित कई शिक्षक एवं सदस्य उपस्थित रहे।

पीएम किसान योजना के लाभार्थियों के लिए ई-केवाईसी शिविर आज

केसठ। स्थानीय प्रखंड अंतर्गत कतकिनार पंचायत के खरवानिया गांव स्थित सामुदायिक भवन में रविवार को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थियों के लिए ई-केवाईसी शिविर आयोजित किया जाएगा।

अंचलाधिकारी अभिषेक गर्ग ने बताया कि सरकार द्वारा सभी लाभार्थी किसानों के लिए ई-केवाईसी कराना अनिवार्य कर दिया गया है। इसी को लेकर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों में चरणबद्ध रूप से शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि किसानों को असुविधा न हो और योजना का लाभ बाधित न हो। शिविर में कृषि विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं किसान सलाहकार उपस्थित रहेंगे और किसानों की पहचान तथा आधार से संबंधित ई-केवाईसी प्रक्रिया को पूरा करेंगे।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः- सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरांव 29 pm

शहीदों को सम्मान और नगर विकास की योजनाओं पर जोर, चौसा नपं बोर्ड बैठक में लिया गया निर्णय

केटी न्यूज/चौसा

चौसा नगर पंचायत कार्यालय स्थित सभागार भवन में शनिवार को नगर पंचायत की सामान्य बोर्ड बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता नपं अध्यक्ष किरण देवी ने की, जबकि संचालन कार्यपालक पदाधिकारी शुभम कुमार द्वारा किया गया। बैठक में नगर के सर्वांगीण विकास और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक का मुख्य फोकस नगर में जलजमाव की समस्या, सौंदर्यीकरण, रोशनी की व्यवस्था और शहीदों को सम्मान देने से जुड़े प्रस्तावों पर रहा। बरसात के मौसम में जलजमाव से प्रभावित क्षेत्रों में ईंट के टुकड़े और राबिश बिछाकर जल निकासी को आसान बनाने की योजना पर सहमति बनी। बैठक में शहीद हवलदार सुनील सिंह यादव को श्रद्धांजलि स्वरूप कई योजनाएं पास की गईं। नगर पंचायत क्षेत्र के शेरशाह गढ़ में उनकी प्रतिमा स्थापित करने, यादव मोड़ के पास उनके नाम पर तोरण द्वार बनाने और यादव मोड़ से गढ़ तक की सड़क का नामकरण उनके नाम पर करने का प्रस्ताव पारित किया गया। यह निर्णय शहीदों के सम्मान और नगरवासियों की भावनाओं का सम्मान करते हुए लिया गया। इसके साथ ही वार्ड संख्या छह में एक शादी मंडप तथा सामुदायिक भवन का निर्माण कराने की योजना को भी स्वीकृति दी गई, जिससे स्थानीय लोगों को सामाजिक व सांस्कृतिक आयोजनों के लिए स्थान उपलब्ध हो सकेगा। नपं क्षेत्र में रोशनी व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए आवश्यकता के अनुसार मिनी हाइमास्ट लाइट लगाने की अनुमति प्रदान की गई। वहीं नगर पंचायत के छुटे हुए क्षेत्रों में 80 स्थानों पर तिरंगा लाइट लगाने का प्रस्ताव भी पास हुआ, जिससे शहर की सुंदरता और रात के समय की सुरक्षा दोनों सुनिश्चित हो सकेगी।

बैठक में स्वच्छता पदाधिकारी हैदर अरसद नकवी, उपाध्यक्ष सरिता देवी, वार्ड पार्षदगण नयनतारा देवी, चंदन कुमार, आनंद कुमार रावत, पुष्पा देवी, छोटेलाल चौधरी, अंजू कुमारी और रिजवान खान समेत कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

621 प्रधानाध्यापकों को दिया गया औपबंधिक नियुक्ति पत्र

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित 621 अभ्यर्थियों को प्रधान शिक्षक और प्रधानाध्यापक के पद पर औपबंधिक नियुक्ति पत्र प्रदान कर दिया गया है। ये नियुक्ति पत्र प्राथमिक विद्यालयों में प्रधान शिक्षक तथा उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालयों में प्रधानाध्यापक के पद के लिए जारी किए गए हैं।सरकार द्वारा जारी आदेश के अनुसार, इन नियुक्तियों से संबंधित औपबंधिक नियुक्ति पत्र के प्रारूप में वर्णित कंडिका-06 में संशोधन किया गया है। संशोधित शर्तों के अनुसार, जो भी नवनियुक्त प्रधान शिक्षक अथवा प्रधानाध्यापक अपने नव पदस्थापित विद्यालय में योगदान देंगे, उनका पूर्व विद्यालय से त्यागपत्र स्वचालित रूप से स्वीकृत मान लिया जाएगा। इस प्रक्रिया को आसान बनाने हेतु एक महत्वपूर्ण निर्णय यह भी लिया गया है कि योगदान के समय अब स्वच्छता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य नहीं होगा। इस शर्त को फिलहाल के लिए स्थगित कर दिया गया है।हालांकि, औपबंधिक नियुक्ति पत्र में उल्लिखित अन्य सभी शर्तें पूर्ववत ही प्रभावी रहेंगी। इस फैसले से नियुक्ति प्रक्रिया में तेजी आएगी और नवनियुक्त शिक्षक बिना किसी अतिरिक्त बाधा के अपने कार्यस्थल पर शीघ्र योगदान दे सकेंगे।

नगर थाना क्षेत्र के से अज्ञात युवक का शव बरामद

बक्सर। बक्सर नगर थाना क्षेत्र में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। हालांकि, उसके शव पर खरोच तक के निशान नहीं मिले है। युवक की शिनाख्त भी नहीं हो पाई है। करीब 30 वर्षीय उक्त युवक का शव नगर के कृष्णा सिनेमा हाल के समीप सड़क किनारे पड़ा था। इसकी जानकारी मिलते ही नगर थाने की पुलिस उसे उठाकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लेकर गई।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर
मधुबन मैरेज हॉल
सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर डुमरांव एसडीओ ने की अहम बैठक

मृत, डुप्लीकेट व स्थानांतरित वोटरों की पहचान कर सूची से हटे नाम

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव अनुमंडल कार्यालय स्थित कक्ष में शनिवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार ने की। बैठक में क्षेत्र के सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची को अद्यतन, त्रुटिरहित और पारदर्शी बनाना था, ताकि आगामी चुनावों में निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित हो सके। इस दौरान निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी ने विस्तार से बताया कि मतदाता सूची में मृत, स्थानांतरित तथा डुप्लीकेट नामों की पहचान कर उन्हें हटाना और नए योग्य मतदाताओं का नाम जोड़ना इस विशेष पुनरीक्षण का प्रमुख लक्ष्य है। राजनीतिक दलों को सूची में सुधार की प्रक्रिया, नियमों और समयसीमा की विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारी ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की त्रुटि न केवल लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करती है, बल्कि निष्पक्ष चुनाव की राह में भी बाधा बनती है। बैठक के दौरान लंबित ऑनलाइन मतदाता आवेदन की सूची भी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ साझा की गई, ताकि वे अपने स्तर से भी सत्यापन कर सकें और प्रक्रिया में सहयोग दे सकें। निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी ने सभी दलों से अपील की कि वे मतदाता सूची की शुद्धता के लिए सक्रिय सहयोग करें। किसी भी प्रकार की विसंगति, आपत्ति या फर्जी नाम की जानकारी मिलने पर उसे तत्काल निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध कराएं, ताकि समय पर उचित कार्रवाई हो सके बैठक में विभिन्न दलों के प्रतिनिधियों ने भी अपने सुझाव व अनुभव साझा किए और निर्वाचन कार्य में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक के दौरान यह भी सामने आया कि शहरी क्षेत्र में रहने वाले कई मतदाताओं का नाम दो जगहों पर है। ऐसे में बीएलओ के समक्ष समस्या आ रही है कि वह कहां का नाम हटाए। कई राजनीतिक दलों ने इस बात का उठाया कि ऐसे मतदाता दो जगहों पर वोटिंग कर रहे है। विशेषकर नगर परिषद चुनाव व पंचायत चुनाव में। वहीं एसडीओ ने निर्देश देते हुए कहा कि एक ही जगह पर नाम रहेगा। दूसरे जगह का नाम हर हाल में हटेगा।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड में ट्रेन की चपेट में आने से तीन हाथियों की मौत, रेलवे परिचालन हुआ बाधित

घाटशिला, एजेंसी। दक्षिण पूर्व रेलवे खड़गपुर डिवीजन के सरडीहा झाड़ग्राम सेक्शन में 143 किलोमीटर11/13 पोल संख्या के बीच में रेल ट्रेक पार कर रहे तीन हाथी ट्रेन की चपेट आ गए।

जिससे तीनों हाथी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक हाथी में एक व्यस्क व दो बच्चे शामिल है। ये घटना देर रात 12ः50 बजे हुई है। घटना की रिपोर्ट मिलते ही रात्रि एक बजे अप व डाउन लाइन पर परिचालन रोक दिया गया था। रात में ही रेलवे की टीम घटनास्थल रवाना हो गई थी। घटनास्थल से मृतक हाथियों के शव को हटाया गया। अप लाइन सुबह 6 बजकर 15 मिनट तो डाउन लाइन 7 बजकर 30 मिनट पर चालू किया गया। इस घटना पर अब तक रेलवे के खड़गपुर डिवीजन से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

रांची में बारिश के कारण स्कूल की छत ढहने से एक शख्स की मौत, रेस्क्यू जारी

रांची, एजेंसी। झारखंड में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। रांची में लगातार हो रही बारिश के बीच एक सरकारी स्कूल की इमारत की छत का एक हिस्सा गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य के फंसे होने की आशंका है। पुलिस ने यह जानकारी शुक्रवार को दी।एक अधिकारी ने बताया कि राज्य की राजधानी के पिस्का मोड़ इलाके में स्थित स्कूल के मलबे में फंसे एक व्यक्ति को बचाने के लिए रेस्क्यू अभियान जारी है।सुधदेव नगर पुलिस थाना प्रभारी मनोज कुमार ने एजेंसी को बताया कि एक सरकारी स्कूल की इमारत की छत का एक हिस्सा गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई।उन्होंने कहा कि हमें यह जानकारी मिली कि एक और व्यक्ति अंदर फंसा हुआ है, इसलिए हमने बचाव अभियान के लिए अपनी टीम भेजी है। मनोज कुमार ने बताया कि मृतक एक बुजुर्ग व्यक्ति है। जब छत का हिस्सा गिरो तो वह स्कूल के बरामदे में सो रहा था।उन्होंने बताया कि पुलिस घटना की जांच कर रही है और आगे की जानकारी का इंतजार है। आपको बता दें कि झारखंड में पिछले कई दिनों से भारी बारिश हो रही है।

जामताड़ा में सड़क सुरक्षा का नया नियम : समाहरणालय में बिना हेलमेट प्रवेश निषेध

जामताड़ा, एजेंसी। जामताड़ा जिले में सड़क सुरक्षा को मजबूत करने के लिए प्रशासन ने नया नियम लागू किया है। समाहरणालय परिसर में बिना हेलमेट के प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया गया है। यह नियम सभी सरकारी कर्मचारियों और आम नागरिकों पर समान रूप से लागू है। समाहरणालय के गेट पर अनाधिकृत वाहन प्रवेश का नोटिस लगा दिया गया है। गेट पर तैनात पुलिसकर्मी इस नियम का कड़ाई से पालन करवा रहे हैं। जिले में यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। आम नागरिकों के वाहनों को गेट के बाहर ही खड़ा करवाया जा रहा है। जामताड़ा के डीसी रवि आनंद और एसपी राजकुमार मेहता ने सड़क सुरक्षा की बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए हैं। बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्हें कार्यालयों में प्रवेश से भी रोका जाएगा।जिला परिषद अध्यक्ष राधा रानी सोरेन ने इस पहल का समर्थन किया है। उन्होंने समाहरणालय परिसर में पार्किंग व्यवस्था की मांग की है। प्रशासन का मानना है कि यह कदम सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाएगा और दुर्घटनाओं में कमी आएगी।

टाटानगर-बक्सर एक्सप्रेस में आरपीएफ की कार्रवाई, चित्तरंजन स्टेशन पर 8500 रुपए की अवैध शराब के साथ बिहार का युवक पकड़ाया

जामताड़ा, एजेंसी। चित्तरंजन स्टेशन पर 17 जुलाई को आरपीएफ ने अवैध शराब की तस्करी का एक मामला पकड़ा। टाटानगर-बक्सर एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 18183) में एएसआई पलाश कुमार मोदक और उनकी टीम ने एक संदिग्ध यात्री को पकड़ा। बिहार के समस्तीपुर जिले के रोसरा निवासी राजन कुमार (28) को कोच डी-5 के बाथरूम के पास से गिरफ्तार किया गया। उसके काले बैग से 750 मिलीलीटर की 11 बोतल रॉयल स्टैग व्हिस्की बरामद हुई। प्रत्येक बोतल की कीमत 780 रुपए है। कुल जब्त शराब की मात्रा 8.250 लीटर और कीमत 8,580 रुपए है। पूछताछ में पता चला कि आरोपी आसनसोल से ट्रेन में सवार हुआ था और पटना जा रहा था। उसके पास शराब ले जाने के कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले। एसआई अशोक कुमार की देखरेख में यह कार्रवाई दोपहर करीब 12 : 56 बजे की गई। गवाहों की मौजूदगी में दोपहर 1 : 10 से 1 : 20 बजे के बीच शराब जब्त की गई। जब्त शराब और आरोपी को शाम 3 : 20 बजे आबकारी विभाग, जामताड़ा को सौंप दिया गया।

गिरीडीह में पत्थर खदान में डूबा किसान, खेत में काम के बाद नहाने के दौरान हुआ हादसा

गिरिडीह, एजेंसी। गिरीडीह जिले के हिरोडीह थाना क्षेत्र के दूनीसेर गांव में शुक्रवार को एक दुखद घटना सामने आई। खटोरी पंचायत के 50 वर्षीय किसान अर्जुन सिंह एक पुरानी पत्थर खदान में डूब गए।अर्जुन सिंह रोजाना की तरह अपने खेत में हल चला रहे थे। खेत का काम खत्म करने के बाद वे बैल को धोने और खुद नहाने के लिए गांव के पास स्थित पुरानी पत्थर खदान में गए। खदान में पानी काफी गहरा था। नहाते समय वे अचानक गहरे पानी में चले गए। कुछ ही पलों में वे पानी में डूब गए।आसपास मौजूद लोगों को जब तक घटना की जानकारी मिली, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। सूचना मिलते ही हिरोडीह थाना पुलिस टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से अर्जुन सिंह की तलाश की जा रही है। अभी तक उनका कुछ पता नहीं चल सका है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे खतरनाक और जलजमाव वाले पुराने खदानों की पहचान कर उन्हें सुरक्षा घेरे में लिया जाए। इससे भविष्य में इस तरह की घटनाएं नहीं होंगी।

देवघर कांवरिया पथ पर किन्नर समाज का सेवा शिविर समाज को दे रहा संदेश

देवघर, एजेंसी। श्रावणी मेले के दौरान विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों की ओर से श्रद्धालुओं की सेवा के लिए शिविर लगाए गए हैं। इन शिविरों के माध्यम से श्रद्धालुओं को निशुल्क ठंडा पानी, जूस, बैठने की जगह, दवा आदि मुहैया कराई जा रही है। इस क्रम में देवघर कांवरिया पथ पर किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर राजेश्वरी नंद गिरी उर्फ रोज मौसी की ओर सेवा शिविर लगाया गया है।

रोज मौसी किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनने के बाद राजेश्वरी नंद गिरी के रूप में जानी जाती हैं और वह पूरे देश के साथ-साथ झारखंड के किन्नर समाज के लिए काम करती हैं। रोज मौसी द्वारा लगाए गए शिविर में धार्मिक नियमों का विशेष ख्याल रखा जाता है और श्रद्धालुओं की सेवा की जाती है।श्रद्धालुओं के बीच फल, शरबत, पानी, दवा आदि का निशुल्क वितरण किया जा रहा है।

सेवा शिविर के माध्यम से किन्नर समाज ने दिया संदेश : वर्षों से किन्नर समाज के लिए कार्य कर रहीं रोज मौसी बताती हैं कि उनका प्रयास देवघर जिला में सफल होता दिख रहा है। देवघर और संथाल परगना क्षेत्र के रहने वाले किन्नर मुख्य धारा से जुड़कर लोगों की सेवा कर रहे हैं। किन्नरों के प्रति पूर्व में जो लोगों की भावना थी अब उसमें धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है। लेकिन प्रदेश और पूरे देश में आज भी किन्नर समाज उपेक्षित है। रोज मौसी बताती हैं कि इस शिविर के माध्यम से देश और दुनिया से देवघर आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को वह संदेश देना चाहती हैं कि किन्नर पहले इंसान हैं और फिर उसके बाद वह किन्नर हैं। इसलिए उनके साथ इंसानों जैसा व्यवहार किया जाए।

किन्नर कल्याण बोर्ड का गठन करें सरकार : रोज मौसी ने कहा कि वह अपनी ओर से किन्नर समाज को मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन यदि उन्हें सरकार से सहयोग मिले तो वह किन्नर समाज के लिए और भी बेहतर कार्य करेंगी। उन्होंने किन्नरों के कल्याण के लिए सरकार से मांग करते हुए कहा कि सरकार किन्नर कल्याण बोर्ड का गठन करें, ताकि किन्नर अपनी समस्या खुलकर सरकार के सामने रख सकें। रोज मौसी से जुड़कर समाज के लिए काम कर रहीं मुस्कान किन्नर और रोशनी किन्नर ने बताया कि आज भी झारखंड और देश के कई क्षेत्रों में किन्नरों का तिरस्कार किया जाता है। किन्नरों को गलत-गलत शब्दों से संबोधित किया जाता है। यदि किन्नर अपने साथ हुए दुर्व्यवहार की शिकायत पुलिस प्रशासन या जिला प्रशासन के पास लेकर जाती हैं तो वहां पर बैठे कर्मचारी भी उन्हें सम्मान नहीं देते हैं।

भोलेनाथ का अर्धनारीश्वर रूप : रोज मौसी के साथ काम कर रही किन्नरों ने कहा कि देवघर और आसपास के जिलों में रोज माता के प्रयास से किन्नरों की समस्याओं का समाधान हो रहा है, लेकिन झारखंड और देश के अन्य क्षेत्रों में आज भी किन्नर परेशानियों से जूझ रहे हैं। किन्नर समाज के लोगों ने कहा कि किन्नर भगवान भोलेनाथ के अर्धनारीश्वर के रूप हैं। किन्नर कोई अपने से नहीं बनता, बल्कि भगवान के द्वारा ही उन्हें किन्नर के रूप में पैदा किया जाता है। लेकिन किन्नरों को ना तो परिवार का प्यार मिलता है और ना ही समाज का। देवघर के किन्नरों ने कहा कि जैसे देश के अन्य लोगों को सुविधा मिलती है उसी तरह से किन्नरों को भी सुविधाएं मिलनी चाहिए।

कांवरिया पथ पर किन्नर समाज के द्वारा लगाए गए शिविर के माध्यम से लोगों को यह जानकारी दी जा रही है कि किन्नर धार्मिक आस्था के साथ जुड़े हुए हैं और वह भी आम लोगों की तरह समाज में रहना चाहते हैं। किन्नरों के शिविर कैंप में आने वाले श्रद्धालुओं ने कहा कि जिस तरह से थके-हारे श्रद्धालुओं की सेवा किन्नरों के द्वारा की जा रही है इससे लोगों में किन्नरों के प्रति सम्मान बढ़ेगा और नजरिया भी बदलेगा।

नर सेवा ही नारायण सेवा : वहीं सेवा शिविर में होने वाले खर्च को लेकर शिविर के संयोजक एवं संचालकों ने बताया कि सामाजिक स्तर पर जो भी चंदा या फिर किन्नरों को गिफ्ट मिलते हैं उसी धन से कांवरियों की सेवा की जा रही है। इसके अलावा समाज के नेक लोगों के सहयोग से भी कांवरियों की सेवा की जा रही है। यह सेवा शिविर इसलिए अन्य सेवा शिविर से अलग है, क्योंकि यहां पर इस सोच के साथ सेवा की जाती है कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। इस शिविर के माध्यम से इंसानों को इंसानों के प्रति प्रेम रखने का संदेश भी दिया जाता है। गौरतलब है कि आज भी झारखंड जैसे राज्यों में किन्नरों को स्वास्थ्य सेवा, सामाजिक न्याय सहित विभिन्न परेशानियों से जूझना पड़ता है। जरूरत है समाज में रह रहे किन्नरों को सम्मान दिया जाए, ताकि किन्नर भी अपनी जिंदगी आम लोगों की तरह जी सकें।

यौन शोषण के आरोपित ट्रेनी डीएसपी को हेमंत सरकार ने किया सस्पेंड, गृह विभाग ने जारी किया नोटिफिकेशन

रांची, एजेंसी। शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने होटलों में प्रवेश के लिए फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल करने के आरोपित लोहरदगा के प्रशिक्षु डीएसपी अमित कुमार सिंह को राज्य सरकार ने निलंबित कर दिया है।

निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय डीआईजी रांची के कार्यालय में होगा। इस अवधि में उन्हें केवल जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा। उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही भी चलेगी। गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है।जारी अधिसूचना के अनुसार एक युवती ने ई-मेल के माध्यम से आरोपित प्रशिक्षु डीएसपी अमित कुमार सिंह के विरुद्ध उक्त शिकायत की थी। इस शिकायत की जांच झारखंड पुलिस की एडीजी प्रशिक्षण सह अधुनिकीकरण ने की थी। जांच में आरोपों को सत्य पाया गया।

यह तथ्य भी सामने आया कि आरोपित प्रशिक्षु डीएसपी ने शिकायतकर्ता पर अपनी शिकायत वापस लेने तथा साक्ष्य मिटाने के लिए दबाव बनाया।

एडीजी ने जांच में उनके कृत्य को निंदनीय माना और अपनी जांच रिपोर्ट में लिखा है कि आरोपित डीएसपी ने अपने पद की गरिमा को भी धूमिल किया है। यही वजह है कि उन्हें झारखंड सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2016 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

दूसरी ओर, तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने छत्तरपुर, पलामू में पदस्थापित जिस चिकित्सा पदाधिकारी को अनधिकृत अनुपस्थिति के आरोप में निलंबित किया था, उन्हें आरोपमुक्त कर दिया गया है। जांच के बाद स्वास्थ्य विभाग ने चिकित्सा पदाधिकारी डॉ। मृत्युंजय सिंह को आरोप से बरी करते हुए उन्हें निलंबनमुक्त कर दिया है।

दुस्साहस ! गुमला में पशु तस्करों ने की पुलिस को कुचलने की कोशिश, बैरिकेडिंग तोड़ हुए फरार

गुमला, एजेंसी। झारखंड के गुमला से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां पशु तस्करों ने रायडीह थाना की पुलिस को कुचलने का प्रयास किया। लेकिन पुलिस गाड़ी की रफ्तार को देखकर किनारे हो गयी। इसके बाद तस्कर रायडीह थाना के सामने लगे बैरिकेडिंग को तोड़कर फरार हो गये।

बताया जा रहा है कि मामले में जब पुलिस ने गाड़ी का पीछा किया, तो पशु तस्कर गाड़ी को घने जंगल के पास मुख्य सड़क पर खड़ी कर भाग गये। तस्कर घने जंगल में घुस गये, जिस वजह से पुलिस उन्हें खोज नहीं पायी। हालांकि, पुलिस ने तस्करों द्वारा गाड़ी में लोड पशुओं को वाहन समेत जब्त कर लिया है।

मालूम हो कि छत्तीसगढ़ से झारखंड में हो रहे अवैध गोवंशीय पशुओं की तस्करी रोकने के लिए रायडीह थाना की पुलिस ने कमर कस ली है। हर दिन मवेशी तस्करी के खिलाफ अभियान चलाकर पुलिस मवेशियों को जब्त कर रही है। इसी कड़ी में रायडीह पुलिस ने गुरुवार को एक पिकअप वाहन में तस्करी के लिए ले जा रहे 13 अवैध गोवंशीय पशुओं को जब्त किया है। इसके साथ ही मवेशियों को तस्करी के लिए ले जाने वाले पिकअप वाहन को भी पुलिस ने जब्त कर थाना में रखा है।

हालांकि, पशु तस्कर पुलिस की गिरफ्त से भागने में सफल रहे। इस संबंध में रायडीह थानेदार कुंदन कुमार सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की गयी। कुंदन के मुताबिक, छत्तीसगढ़ की ओर से एक पिकअप वाहन में अवैध गोवंशीय पशुओं को वध करने के लिए तस्कर झारखंड के बूचड़खाना में लेकर जा रहे हैं। इसकी सूचना मिलते ही एक पुलिस टीम का गठन किया गया। साथ ही रायडीह थाना के सामने जांच अभियान शुरू किया गया।

इस बीच देखा गया कि छत्तीसगढ़ से एक पिकअप वाहन आ रही है। पुलिस ने वाहन रोकने का इशारा किया गया। तो वाहन चालक सामने पुलिस को देखकर बैरिकेडिंग तोड़कर गाड़ी को लेकर भागने लगा। तभी रायडीह पुलिस ने उस पिकअप वाहन का पीछा किया। पुलिस को पीछा करते देख तस्कर ने जोड़ाजाम जंगल के पास गाड़ी खड़ी कर दी और जंगल में भाग गया।

वहीं, पुलिस द्वारा पिकअप वाहन की तलाशी ली गयी, तो देखा गया कि वाहन में 13 अवैध गोवंशीय पशुओं ठूंस ठूंस कर भरे पड़े थे।

सब्जी दुकानदारों ने एसडीओ को दी आत्मदाह की चेतावनी, कहा 21 जुलाई को कार्यालय के बाहर देंगे अपनी जान

गुमला, एजेंसी। गुमला शहर के जशपुर रोड से सब्जी दुकानों को हटाने के बाद आक्रोशित दुकानदारों ने आत्मदाह की चेतावनी दी है। दुकान हटाने के बाद दुकानदारों ने गुमला प्रशासन से कहा है कि आप हमें नौकरी दें या फिर जशपुर रोड में 10-10 फीट पर सब्जी दुकान लगाने की अनुमति व जगह दें। इस संबंध में कल गुरुवार को जशपुर रोड के सब्जी विक्रेताओं ने एसडीओ गुमला को लिखित ज्ञापन सौंपकर सभी सब्जी विक्रेताओं को 20 से 25 हजार रुपये की नौकरी देने व नौकरी नहीं देने पर जशपुर रोड में 10 फीट छोड़कर सब्जी दुकान लगाने का आदेश देने की मांग की है।

सब्जी विक्रेताओं ने आवेदन में कहा है कि सभी सब्जी विक्रेताओं ने नगर परिषद से 10-50 हजार रुपये लोन लिया है। जब से प्रशासन ने सब्जी बिक्री करने वाले स्थान पर जेसीबी से खुदाई कराया गय है। तब से सब्जी विक्रेता भुखमरी की कगार में है। ऐसे में वे कैसे लोन भरेंगे और कैसे अपनी जीविकोपार्जन करेंगे। वे सभी लोन भरने में असमर्थ हैं। अगर हमारी मांगे नहीं मानी गयी, तो हमलोग एसडीओ कार्यालय के समक्ष आत्मदाह करेंगे। उक्त सड़क में सब्जी की बिक्री होती है। वहीं हनुमान मंदिर टंगरा में बने शेड में सब्जी की बिक्री नहीं हो पाती थी। जिसकी वजह से हम सभी सड़क के किनारे सब्जी बेचने को मजबूर हैं। ताकि हम अपने परिवार का जीविकोपार्जन कर सके।

दुकानदारों ने कहा अगर 19 जुलाई तक प्रशासन हमारे मांग पर कोई निर्णय नहीं लेता है, तो 21 जुलाई को सभी सब्जी विक्रेता उपायुक्त कार्यालय के समक्ष आत्मदाह करेंगे। क्योंकि लोन से हम सभी ऐसे ही मरेंगे, तो आत्मदाह कर ही अपनी जान देने का निर्णय लिया है। जिसकी सारी जवाबदेही जिला प्रशासन की होगी।

ज्ञापन सौंपने वालों में देवकी देवी, गायत्री, गुलाफो देवी, उपेंद्र कुमार महतो, पूनम देवी बी, आभा रानी, मीना देवी, सीता देवी, पूनम देवी, कलावती देवी, विमला देवी, किशोर साहू, माया कुजूर, संगीता देवी, वीणा देवी, संध्या देवी, केशो देवी के हस्ताक्षर है।

जमशेदपुर में युवक पर फायरिंग, बाल-बाल बचा

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर के गोलमुरी थाना क्षेत्र के टुइलाडुंगरी इलाके में शुक्रवार देर रात एक युवक पर फायरिंग की सनसनीखेज घटना सामने आई है। टुइलाडुंगरी निवासी रौशन नामक युवक अपने एक दोस्त के साथ बाइक से घर लौट रहा था, तभी टुइलाडुंगरी मोड़ के पास पहले से घात लगाए बैठे बाइक सवार बदमाशों ने उस पर गोलियां चला दीं। गनीमत रही कि रौशन को गोली नहीं लगी और वह सुरक्षित बच निकला।

घटना की सूचना मिलते ही गोलमुरी थाना की पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल से गोली के खोखे बरामद किए हैं जिन्हें फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। साथ ही, पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि हमलावरों की पहचान पुख्ता की जा सके।

पुलिस सूत्रों के अनुसार हमलावरों की पहचान कर ली गई है और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। प्रारंभिक जांच में यह मामला आपसी रंजिश का बताया जा रहा है। पुलिस रौशन के पुराने विवादों की भी पड़ताल कर रही है। मामले की तह तक जाने के लिए इलाके के कुछ संदिग्ध युवकों से पूछताछ भी की जा रही है। इस घटना के बाद टुइलाडुंगरी इलाके में दहशत का माहौल बन गया है। स्थानीय लोगों में भय और आक्रोश दोनों देखा जा रहा है। उन्होंने शहर में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं पर चिंता जताई है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि ऐसे अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए ताकि शहर में कानून-व्यवस्था बनी रहे और आम लोग खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें।

चतरा में वज्रपात से घायल महिला को गोबर में लपेटा

कोडरमा, एजेंसी। चतरा जिले के टंडवा थाना क्षेत्र के हेसातू गांव में वज्रपात से घायल महिला को परिवार वालों और ग्रामीणों ने गोबर में लपेटकर घंटों तक जीवित करने की कोशिश की, लेकिन समय पर इलाज नहीं मिलने के कारण उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, गांव के बिलेश्वर भुइयां की 56 वर्षीय पत्नी उगनी देवी अपने आठ माह के पोते को गोद में लेकर घर के बाहर बैठी थीं। इस दौरान बारिश के साथ वज्रपात हुआ और दोनों उसकी चपेट में आ गए। घटना के तुरंत बाद ग्रामीणों ने बच्चे को बाइक से निजी अस्पताल भेज दिया, लेकिन साधन के अभाव में घायल महिला को गोबर में लपेटकर रखा गया। ग्रामीणों का मानना था कि इससे वह जीवित हो सकती है।

डेढ़ घंटे बाद पहुंचा एंबुलेंस : मिली जानकारी के मुताबिक करीब डेढ़ घंटे बाद जब एंबुलेंस गांव पहुंचा, तब तक उगनी देवी की मौत हो चुकी थी। इसके बाद एंबुलेंस बिना मरीज को लिए लौट गई। इस दर्दनाक घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, घटना ने गांव में फैले अंधविश्वास और सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली को उजागर कर दिया है। फिलहाल वज्रपात में घायल आठ माह के पोते का अस्पताल में इलाज जारी है। उसकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है। घटना के बाद गांव में घटना को लेकर शोक और चर्चा का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की मांग की है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

सरकार के गजट और विभागीय सूचना में अंतर से कंफ्यूजन, कर्मचारियों में बढ़ी नाराजगी

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अधीन राज्य स्तर पर क्षेत्रीय शिक्षा कार्यालयों में कार्यरत सभी कर्मचारियों की सेवा अब जिला स्तरीय मानी जायेगी। जानकारी के अनुसार, इस ओर माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने पहल शुरू की है। इसके लिए सबसे पहले सितंबर 2024 में अधिसूचना प्रकाशित की गई। वहीं, मई 2025 में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के आदेश बाद सरकार के प्रभारी सचिव उमाशंकर सिंह की ओर से गजट जारी हुआ है।

बताया जा रहा है कि इसके बाद माध्यमिक शिक्षा निदेशक राजेश प्रसाद ने 11 जुलाई 2025 को सूचना जारी कर क्षेत्रीय स्तर पर सभी शिक्षा कार्यालयों से जुड़े कर्मचारियों को जिला एवं प्रमंडल संवर्ग (नौकरी करने) का चयन करने के लिए उनसे लिखित आवेदन मांगा है। आवेदन देने की समय सीमा 45 दिन तय की गई है। इधर, माध्यमिक शिक्षा निदेशक की ओर से जारी सूचना के बाद क्षेत्रीय शिक्षा संवर्ग के कर्मचारियों में भ्रम की स्थिति बन गई है।

इसे लेकर कर्मचारी बता रहे हैं कि गजट में केवल प्रमंडल चयन करने का उल्लेख है। वहीं, माध्यमिक शिक्षा निदेशक की ओर से जारी सूचना में जिला का भी चयन करने का उल्लेख से कर्मचारियों में भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई है। सूचना पत्र की क्रम संख्या चार में स्पष्ट किया गया है कि जिला संवर्ग का चयन करने वाले कर्मी का प्रमंडल के अंतर्गत जिला का आवंटन निदेशालय द्वारा किया जायेगा। जबकि सरकार के गजट में ऐसा कोई उल्लेख नहीं है। गजट में सभी कर्मचारियों को जिला स्तरीय संवर्ग घोषित कर इसका लाभ लेने का निर्देश है। गजट में प्रमंडल स्तर पर चयन को लेकर कर्मचारियों से सिर्फ एक अवसर मांगा गया है। बता दें कि हजारीबाग जिले के क्षेत्रीय शिक्षा कार्यालय जैसे क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक (आरजेडीई), जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ), जिला शिक्षा अधीक्षक (डीएसई), अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी (एसडीईओ), तीन क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी (आरईओ) बरही, बड़कागांव व सदर एवं जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान (डायट) मिलाकर कार्यरत क्षेत्रीय शिक्षा कर्मचारी (महिला/पुरूष) की संख्या 25 से अधिक है।वहीं, उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के सात जिले हजारीबाग, चतरा, कोडरमा, रामगढ़, धनबाद, गिरिडीह एवं बोकारो मिलाकर कार्यरत क्षेत्रीय शिक्षा कर्मचारी (महिला/पुरूष) की संख्या 150 से अधिक है। कर्मचारी सरकार के जारी गजट एवं विभागीय निदेशक की जारी सूचना में अलग-अलग दिशा-निर्देश पर पहले तो भ्रम की स्थिति में है। दूसरी ओर मन ही मन आंदोलित हो गए हैं।

सुभाषितम्

जो अंतर को देखता है, बाह्य को नहीं, वही सच्चा कलाकार है।

- महात्मा गाँधी

भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक

भगवान भोलेनाथ की पूजा और उनका जलाभिषेक कोई भी कर सकता है। भगवान भोलेनाथ की पूजा का कोई सनातनी स्वरूप नहीं है। भोलेनाथ के भक्त जिसमें अघोरी संप्रदाय, भूत, प्रेत, किन्नर मानव सभी अपनी अपनी मान्यता के अनुसार भगवान शिव का अभिषेक एवं पूजा-पाठ करते हैं। अपनी-अपनी मान्यता के अनुसार संकल्प लेते हैं। कांवड़ यात्रा भी उसका एक रूप है। सावन के महीने मैं भोलेनाथ के भक्त पवित्र नदियों का जल लेकर कई किलोमीटर की भक्ति भाव से यात्रा करते हुए, भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते हैं। यह परंपरा सेकडों वर्षों से चली आ रही है। कावड़ यात्रा को लेकर पहिले कोई विवाद नहीं हुआ। भगवान भोलेनाथ की कावड़ यात्रा में वह वर्ग शामिल होता है। जिन्हें आसानी से मंदिरों में प्रवेश नहीं मिलता है। भोलेनाथ के भक्त अपनी आस्था के अनुसार जल, पत्ते, फूल, धतूरा भक्ति भाव से भोलेनाथ को अर्पित कर आस्था प्रकट करते है। भगवान भोलेनाथ के बारे में कहा जाता है, वह एक ऐसे भगवान है, जिनकी पूजा और भक्ति का कोई विधान नहीं है। अघोरी संप्रदाय अपना ज्यादा समय श्मशान में बिताते हैं। उज्जैन के मंदिर में रोजाना शमशान से मानव शव की ताजी भस्म लाकर पुजारी द्वारा भोलेनाथ को भस्म आरती की जाती है। सही मायनो में कहा जाए, भगवान भोलेनाथ की पूजा में सनातन धर्म के विधि विधान नहीं अपनाये जाते हैं। भगवान भोलेनाथ की पूजा कोई भी कर सकता है। ऐसी मान्यता प्रचलित है भगवान भोलेनाथ के भक्तों में सबसे ज्यादा वह लोग होते हैं। जिन्हें पूजा पाठ और विधान का कोई ज्ञान नहीं होता है। कांवड़ यात्रा 2014 के बाद से चचाओं में आ गई है। गंगा नदी का जल सभी जाति धर्म के मानवों के साथ-साथ प्रकृति में जितने भी जीव हैं। वह सब गंगाजल के सहारे अपना जीवन जीते हैं। गंगा मैया कोई भेदभाव नहीं करती है। कावड़ यात्री पवित्र घाट के जल से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक करने कई किलोमीटर की यात्रा करते हैं। कावड़ में जल लेकर पैदल चलते हुए शिवलिंग में जल अर्पित करते हैं। भोलेनाथ के भक्तों में खाने-पीने तथा नशा इत्यादि का कोई परहेज नहीं होता है। यात्रा के दौरान गांजा भी पीते हैं, नशा भी करते हैं, मांस-मटन भी खाते हैं। आस्था और भक्ति भाव के साथ करके सेकडों किलोमीटर चलकर पवित्र नदियों जल से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक कर संकल्प पूरा करते है। कावड़ यात्री अब राजनीति के शिकार हो गई हैं। काँवड यात्रा में जाने वाले अधिकांश गरीब होते हैं। तीर्थ यात्री के रूप में जिस मार्ग से वह गुजरते है। भोलेनाथ के भक्त उनके खाने-पीने की व्यवस्था के लिए पेयजल, भोजन के लिए लंगर या स्टाल लगाकर, रात्रि में सोने के लिए उनकी व्यवस्था कर देते थे। कावड यात्रियों के खाने-पीने का इंतजाम, रुकने की व्यवस्था का जो कार्य आम नागरिक करते थे। वही कार्य राजनीतिक दल से जुड़े हुए संगठन करने लगे। पिछले 10 सालों में कावड़ यात्रा का जो स्वरूप देखने को मिल रहा है। उसके कारण ही कावड़ यात्रा विवादों में आ गई है। कावड़ यात्रा को धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर बांटा जा रहा है। भोलेनाथ के भक्तों को सनातन भक्त की तरह प्रस्तुत किया जा रहा है। सनातनी उनसे अपेक्षा करते है, कि वह सावन के महीने में मांसाहार, प्याज, लहसुन और अन्य पदार्थों का उपयोग न करें। कावड़ यात्रियों को भोजन की आवश्यकता होती है। मार्ग में उन्हें जो भी भोजन उपलब्ध होता है। वह अपनी सुविधा और मान्यताओं के अनुसार ग्रहण करते थे। पिछले कुछ वर्षों से कुछ धार्मिक संगठनो तथा भाजपा शासित सरकारों द्वारा कावड़ यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था उनके खाने-पीने ठहरने इत्यादि की व्यवस्था की जा रही है। उसके बाद से कावड़ यात्रा राजनीति के रंग में रंग गई है। भगवान भोलेनाथ के भक्तों को सनातनी के रूप में पेश किया जा रहा है। सनातनी पूजा पाठ का अलग विधि विधान है। भगवान भोलेनाथ की पूजा का अलग विधि विधान है। कावड यात्रा को लेकर जिस तरह की धारणा बनाई जा रही है। धार्मिक ध्रुवीकरण और धार्मिक उन्माद पैदा किया जा रहा है।

चिंतन-मनन

सुख की उपेक्षा क्यों?

मेरे पास लोग आते हैं। जब वे अपने दुख की कथा रोने लगते हैं, तो बड़े प्रसन्न मालूम होते हैं। उनकी आंखों में चमक मालूम होती है। जैसे कोई बड़ा गीत गा रहे हों! अपने घाव खोलते हैं, लेकिन लगता है जैसे कमल के फूल ले आए हैं। सुख की तो कोई बात ही नहीं करता। और ऐसा नहीं है कि सुख नहीं है; हम सुख पर पर ध्यान नहीं देते हैं। हम दुःख-दुख चुन लेते हैं; हम सुख की उपेक्षा कर देते हैं। फिर जिसकी उपेक्षा कर देते हैं, स्वभावतः धीरे-धीरे वह दूर चला जाता है और जिसमें हम रस लेते हैं वह पास होता चला जाता है। संतों की बात तुम्हें तभी जमेगी, रुचेगी, भली लगेगी, प्रीतिकर मालूम होगी-जब तुम दुख को पकड़ना छोड़ दोगे; जब तुम जागोगे और सुख की सचेष्ट खोज शुरू करोगे। तुम्हारे भीतर अगर अभी भी दुख को पकड़ने का आयोजन चल रहा है, तो संतों के वचन तुम्हारे कानों में गूजेंगे और खो जाएंगे। तुम्हारे ह्दय तक नहीं पहुंचेंगे। क्योंकि संतों के वचनों में बड़ा सुख भरा है। तुम सुखोन्मुख हो जाओ, तुम आनंद की खोज में लग जाओ; तो ये एक-एक शब्द ऐसे जाएंगे तुम्हारे भीतर जैसे तीर चले जाएं। और ये एक-एक शब्द तुम्हारे भीतर ऐसे-ऐसे हजार-हजार फूल खिला देंगे, जैसे कभी न खिले थे। तुम्हारे भीतर बड़ी रोशनी होगी। ये छोटे-छोटे शब्द हैं। मगर ये बड़े सार्थक शब्द हैं। सुनो- ह्यबोलू हरिनाम तू छोड़ि दे काम सब, सहज में मुक्ति होई जाय तेरी ।काम यानी कामना। काम यानी वासना। काम यानी इच्छा, तृष्णा। यह मिले वह मिले-कुछ मिले! जब तक हम मिलने की दौड़ में होते हैं, हम भिखमंगे होते हैं। और जब तक हम भिखमंगे होते हैं, तब तक परमात्मा नहीं मिलता। परमात्मा भिखमंगों को मिलता ही नहीं। परमात्मा सम्राटों को मिलता है। परमात्मा उनको मिलता है जो अपने मालिक है। परमात्मा उनको मिलता है जो कुछ मांगते ही नहीं। असल में वे ही परमात्मा को मांगने में कुछ सफल हो पाते हैं, जो और कुछ नहीं मांगते। जिन्होंने कुछ और मांगा, वे परमात्मा को कैसे मांगेंगे। वह जबान फिर परमात्मा को मांगने के योग्य न रह गई।

कोई लौटा दे मेरे बीते हुए दिन सुनकर आते हैं आंसू

- किशन सनमुखदास भावनानीं

वर्ष 1964 में दूर गगन की छांव में फिल्म का गीत कोई लौटा दे मेरे बीते हुए दिन सुनकर आज कई बड़े बुजुर्ग, विपत्ति पीड़ितों, दुखियारों की आंखों में आंसू आ जाते हैं और अपने बीते हुए दिनों की यादों में खो जाते हैं जो रेखांकित करने वाली बात है,इसलिए मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि हमारे आज के युवा राष्ट्र के युवाओं को इस पर मंथन करने की जरूरत है कि आखिर क्यों? वर्तमान प्रौद्योगिकी युग में भी मनीषियों द्वारा अपने पुराने दिनों को अच्छे दिन बताया जाता है। हालांकि यह गीत 1964 का है याने आज से 58 वर्ष पूर्व भी उस समय के बुजुर्गों के भाव ऐसे थे याने जैसे जैसे समय का चक्र अपनी तेज रफ्तार से चल रहा है, हर स्थिति को बदलता जा रहा है, विज्ञान प्रौद्योगिकी डिजिटलाइजेशन में तीव्रता से विकास स्वभाविक और समय की मांग है, परंतु आज माता-पिता बेटा-बेटी भाई-बहन संयुक्त परिवार से एकल परिवार और एकल परिवार में भी बहुत खटास के बढ़ते जाने को रेखांकित कर आज हर व्यक्ति को अपने आपसे प्रश्न पूछने को की जरूरत है कि क्यों उसे बीते हुए सुहाने दिनों की लालसा है? क्यों नहीं अपने स्वभाव में, जीवन शैली में परिवर्तन लाकर खुद और परिवार के बीते हुए दिनों की मिठास ला सकते हैं। आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से रिश्तों में मिठास लाकर अपने बीते हुए दिनों को लौटाने पर,खुशहाल करने पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम पुराने दिनों की यादों की करें तो इसकी शुरूआत हम बचपन के दिनों से करते हैं, मेरा मानना है कि सबको अपने बचपन के दिनों में अधिक सुकून मिला होगा, हर किसी को अपना बचपन याद आता है। हम सबने अपने बचपन को जीया है। शायद ही कोई होगा, जिसे अपना बचपन याद न आता हो। बचपन की अपनी मधुर यादों में माता-पिता, भाई-बहन, यार-दोस्त, स्कूल के दिन, आम के पेड़ पर चढ़कर चोरी से आम खाना, खेत से गन्ना उखाड़कर चूसना और ?खेत मालिक के आने पर नौ दो ग्यारह हो जाना हर किसी को याद है। चोरी और ?चिरौरी तथा पकड़े जाने पर साफ झूठ बोलना बचपन की यादों में शुमार है। बचपन से पचपन तक यादों का अनोखा संसार है।

साथियों, छुटपन में धूल-गारे में खेलना, मिट्टी मुंह पर लगाना, मिट्टी खाना किसे नहीं याद है? और किसे यह याद नहीं है कि इसके बाद मां की प्यारभरी डांट-फटकार व रुंआसे होने पर मां का प्यारभरा स्पर्श! इन शैतानीभरी बातों से लबरेज है सारा बचपन।इसलिए पुराने दिनों की याद कर आज भी हम कहते हैं, हम भी अगर बच्चे होते,हम भी अगर बच्चे होते, नाम हमारा होता गबलू-बबलू, खाने को मिलते लड्डू,और दुनिया कहती हैप्पी बर्थडे टू यू,।

साथियों बात अगर हम अपने युवापन के यादों की करें तो हमारे रिश्तो में कुछ और रिश्तो की कड़ियां जुड़ी, हमें माँ बाप भाई बहन पति पत्नी सास ससुर न जाने कितने रिश्तों में जोडा है ये रिश्ते आसानी से जुड़ गए, जिससे बचपन की अपेक्षा स्थिति कुछ कठिन हुईरिश्तो में अपेक्षाकृत प्यार कम होता चला गया, लेकिन अब हम इन्हें कैसे बनाते है।अच्छा या बुरा ,मजबूत या कमजोर ये हम पर निर्भर करता है और हर रिश्ता भावनाओ और आपसी समझ से एक दूसरे को जोड़ता है। और इन्हें प्यार के रिश्ते कहते है। और जो रिश्ता प्यार का और भावनाओ का बनता है उन्हें तोडना भी भुत मुश्किल है। और जिन रिश्तों में प्यार और भावनाये नही है वो शायद समाज के आगे दिखावे के लिए जुड़े भी रहे लेकिन दिल में ज्यादा दिन तक रहते है। अब जैसे पति और पत्नी दोनों एक दूसरे के लिए अनजान है और न ही इनका खून का रिश्ता होता है। फिर भी ये एक दूसरे के लिए बहुत खास होते है क्यों की इनका प्यार और आपसी समझ और भावनाये इन्हें हमेसा जोड़े रखती है। और कहीं कहीं खून के रिश्ते भी कमजोर पड़ जाते है। जैसे भाई भाई की नहीं बनती भाई बहन की नही बनती पति पत्नी की नहीं बनती।

साथियों बात अगर हम समय के साथ बदलते चक्र में रिश्तो को निभाने की करें तो, सहनशीलता, विश्वास आपसी प्रेमरिश्तों को निभाने के लिए सहनशीलता और धैर्य बहुत आवश्यक है, हर रिश्ता बलिदान मांगता है, चाहे वो पति पत्नी का हो, या बहन भाई का या सास बहू का, अगर हम सबंधो को मधुर रखना है पुराने बीते हुए दिन वापस लाना है तो बहुत सी बातों को नजरअंदाज करना पड़ेगा, धैर्य रखना पड़ेगा और समय पड़ने पर बलिदान भी देना होगा चाहे वो गर्मी की रात में बिना कूलर के सोना हो, या जून की दोपहर में भाई के बच्चे को स्कूल से लाना हो एक दूसरे पर विश्वास, और सम्मान दूसरे सबसे महत्वपूर्ण कारण हैं जो आपसी संबंधों में मधुरता बरकरार रखेंगे।परिवार एकता के सूत्र में बंधा रहे उसके लिए बचपन से ही घर के तमाम सदस्यों में एक दूसरे का सम्मान और परस्पर प्रेम की भावना विकसित करना भी बेहद आवश्यक है।

साथियों बात अगर हम वर्तमान परिपेक्ष में पुराने रिश्तों के सुकून भरे दिनों और वर्तमान रिश्तो की करें तो हम जरूर पुराने दिनों की बहुत याद आएगी क्योंकि आज प्यार भावना मान-सम्मान सहनशीलता संवेदनशीलता अपेक्षाकृत कम है इसलिए रिश्तो में खटास...रिश्तों में खटास आई, यह तब ही आती है जब हम ज्यादा स्वार्थी और अभिमानी बनने लगते है तो सबसे पहले अपने आप में सुधार करें।दुसरे की भावनाओ की कद्र करना सीखें।थोड़ा लेट-गो करें क्योंकि गलतीयां हर किसीसे होती ही है।अपनी लेंग्वेज को सुधारे क्योंकि हम जैसे बोलते है वैसा ही प्रभाव सामनेवाले व्यक्ति पर पडता है इसलिए अपने बोलने के ढंग को मोहक और मीठा बनाए।सामने वाले की बुराईयों की जगह उनकी अच्छाइयों पर ज्यादा ध्यान दें।कभी कभार कोई अच्छा सा तोहफा देकर रिश्ते में मिठास बढ़ाए।अपने आप के कर्तव्यों को समजते हुए सामने वाले की केर करें हंमेशा कुछ भी अच्छा करने की शुरूआत खुद से ही करें।और सबसे महत्वपूर्ण बात की अपनी गलती को स्वीकार करना सीखें और माफी मांग लें।अपने विचारों को संकुचित मत रखें , दिल से उदार बनें।किसी भी बात का बिना सोचे समझे उतर न दें मतलब की अपने गुस्से को काबू करना सीखें क्योंकि समय आने पर सब कुछ सही हो जाता है।अगर किसीने गुस्से से कभी कुछ सुना दिया हो तो उसको दील पे मत ले और माफ करना सीखें। अगर बात ज्यादा बढ गई हो तो थोडे दिन के लिए सिर्फ उससे बात करना बंद कर दीजिये थोडे ही दिन में सबकुछ ठीक हो जाएगा।भावनाए रिश्तों की जान होती है अतः अपनी अच्छी भावनाओ को हंमेशा व्यक्त करते रहे।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे के आओ अपने पुराने रिश्तो को याद करें कोई लौटा दे मेरे बीते हुए दिन वर्तमान प्रौद्योगिकी युग में भी मनीषियों द्वारा अपने पुराने दिनों को अच्छे दिन बताने को रेखांकित कर सकारात्मक उपायों पर मंथन करना जरूरी।

नशा मुक्त युवा, विकसित भारत का सारथी

- डॉ. मनसुख मांडविया

कहा जाता है कि अगर किसी देश को आगे बढ़ना है, विकसित होना है, तो उसका युवा सशक्त और समर्थ होना चाहिए। विश्व में भारत ऐसा देश है, जहां सबसे अधिक युवा आबादी है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि अगर भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है, तो उसमें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका हमारी युवा शक्ति ही निभाएगी। देश के विकास की रफ्तार युवाओं की ऊर्जा, विचार और संकल्प से ही तय होती है।

लेकिन आज राष्ट्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती है, अपने युवाओं को नशे की लत से दूर रखना। वर्तमान में युवा वर्ग नशे के घेरे में आता जा रहा है। यह नशा न केवल उनके स्वास्थ्य बल्कि करियर, सपनों और देश की ताकत को भी प्रभावित कर रहा है। एक स्टडी के मुताबिक, भारत में 10 से 24 वर्ष की उम्र के हर 5 में से 1 युवा ने कभी न कभी ड्रग्स का सेवन किया है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (अक्कटर) की रिपोर्ट के अनुसार, 8.5 लाख से अधिक बच्चे ड्रग्स की लत का शिकार हैं। ये आंकड़े बेहद डरावने और चिंतन योग्य हैं।

ड्रग्स और अन्य नशीले पदार्थों के खात्मे के लिए भारत सरकार ने पिछले 11 वर्षों में कई प्रभावी कदम उठाए हैं। 2020 में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने नशा मुक्त भारत अभियान की शुरूआत की। नशे की लत को रोकने और पीड़ितों की सहायता के लिए सरकार ने राष्ट्रीय नशा मुक्ति केंद्र और आउटरीच-कम-ड्रॉप-इन सेंटर की स्थापना की। स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता अभियान चलाए गए। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (ठउइ) ने ड्रग माफिया के विरुद्ध सशक्त ऑपरेशन्स किए। साथ ही, देशभर में युवाओं की काउंसलिंग हेतु हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर भी स्थापित किए गए। इसके अलावा विभिन्न राज्यों में भी स्थानीय प्रशासन, गैर-सरकारी संस्थाओं और सामाजिक कार्यकताओं के सहयोग से नशे के विरुद्ध कई बड़े अभियान चलाए जा रहे हैं।

भारत इस लड़ाई को और मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में ट ईँ१३ ने एक बड़ी पहल की है। बाबा काशी विश्वनाथ की धरती से 19 से 20 जुलाई तक युवा आध्यात्मिक समिट का आयोजन किया जा रहा है। इसका थीम होगा नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत। वाराणसी के पावन घाटों पर आयोजित होने वाले इस समिट का उद्देश्य, एक ऐसी राष्ट्रीय नीति बनाना है, जो युवाओं के नेतृत्व में नशा मुक्ति अभियान को सशक्त बनाए।

इस समिट में देशभर की 100 से अधिक आध्यात्मिक संस्थाओं के युवा प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। साथ ही स्वास्थ्य मंत्रालय, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और अन्य महत्वपूर्ण संस्थाएं भी इसमें सहभागिता करेंगी। इसके माध्यम से युवाओं को एक ऐसा मंच मिलेगा, जहां वो अपनी आवाज को सरकार और नीति निमार्ताओं तक पहुँचा सकेंगे।

इस समिट में देश की नशे के विरुद्ध लड़ाई को मजबूत करने के लिए विभिन्न सेशन्स आयोजित किए जाएंगे। इसमें नशे की प्रवृत्ति, इसकी प्रकृति, प्रकार, पीड़ितों की जनसंख्यिकी, अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव और सरकार तथा ट ईँ१३ के युवा स्वयंसेवकों की भूमिका जैसे विषयों पर गहन विचार-विमर्श और चर्चा होगी। साथ ही नशे की लत से उबरने वाले युवाओं की प्रेरक कहानियां और उनके अनुभव भी साझा किए जाएंगे, ताकि अन्य युवा उनसे प्रेरणा ले सकें।

अंत में एक काशी डिक्लेरेशन जारी किया जाएगा, जो अगले पांच वर्षों के लिए नशा मुक्ति अभियान का रोडमैप होगा। इसमें यह तय किया जाएगा कि युवाओं को किस प्रकार नशे से दूर रखा जाए, नशे की गिरफ्त में आए लोगों की कैसे सहायता की जाए और पूरे देश में जागरूकता अभियान को किस तरह तेज किया जाए।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी हमेशा देश की अमृत पीढ़ी के सपनों का भारत बनाने की बात करते हैं। उनके विजन के अनुरूप, युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा उठाया गया यह कदम, एक समग्र और प्रभावशाली पहल का उदाहरण बनेगा। यह पहल न केवल युवाओं को नशे से दूर रखने में मदद करेगी, बल्कि उन्हें राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा में भी सशक्त भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगी।

देश को विकसित राष्ट्र बनाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी हमारी युवा शक्ति की है। काशी में आयोजित होने वाला युवा आध्यात्मिक समिट इस लक्ष्य की दिशा में केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय चेतना का प्रारंभ स्थल बनेगा। यह नशे के विरुद्ध राष्ट्रव्यापी अभियान को नई दिशा और ऊर्जा देगा। साथ ही, युवाओं में नैतिक मूल्यों, सामाजिक ज़िम्मेदारी और आत्म-संयम का ऐसा भाव जागृत करेगा, जो न केवल उन्हें अपने जीवन में सार्थकता देगा, बल्कि देश को भी आत्मनिर्भर, सशक्त और विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का माध्यम बनेगा। काशी की पवित्र धरती से उठने वाली यह पुकार, हर युवा के मन में जागृति और देशभक्ति का नया प्रकाश भर देगी और यही संकल्प 2047 के विकसित भारत की मजबूत नींव बनेगा।

एमपी के स्वच्छता मॉडल ने पेश की नई मिसाल

-हर्षवर्धन पान्डे

मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में लगातार आठवीं बार देश के सबसे स्वच्छ शहर का खिताब अपने नाम किया है। इंदौर ने 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों की सुपर स्वच्छ लीग सिटीज कैटेगरी में ओवरऑल पहला स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि न केवल इंदौरवासियों के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह शहर की स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्धता, नागरिकों की सक्रिय भागीदारी और नगर निगम के बेहतरीन नवाचारों का परिणाम है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत आयोजित इस सर्वेक्षण में इंदौर ने एक बार फिर साबित कर दिया कि स्वच्छता केवल एक आदत नहीं, बल्कि एक संस्कृति है। इंदौर पूर्व में सात बार देश के स्वच्छतम शहर का पुरस्कार प्राप्त कर चुका है। उज्जैन को 3 से 10 लाख जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में स्वच्छ लीग पुरस्कार प्राप्त हुआ, जो गर्व का विषय है। इसी प्रकार 20 हजार से कम आबादी वाले नगरों की श्रेणी में बुधनी नगर को भी सम्मानित किया गया। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में मध्यप्रदेश के अन्य शहरों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इंदौर के साथ भोपाल, देवास, शाहगंज, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन एवं बुधनी को भी विभिन्न श्रेणियों में स्वच्छता पुरस्कार मिला है। बाबा महाकाल की उज्जैन को 3 से 10 लाख जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में शीर्ष स्थान मिला है। 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों में बुधनी सर्वश्रेष्ठ शहर बन कर उभरा है जबकि 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले स्वच्छ शहरों में भोपाल दूसरे, जबलपुर पांचवें और ग्वालियर 14वें स्थान पर रहा है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में स्वच्छता में प्रॉमिसिंग शहर का स्टेट अवार्ड ग्वालियर को मिला है। इसी तरह से 50 हजार से तीन लाख जनसंख्या वाले स्वच्छ शहरों में देवास प्रथम स्थान पर रहा। मध्यप्रदेश ने कुल आठ राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल किए जिससे राज्य ने स्वच्छता के क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वच्छ भारत मिशन की प्रेरणा और जनभागीदारी इस सफलता का आधार रहा। इंदौर की स्वच्छता की सफलता का श्रेय शहर के कचरा प्रबंधन, जन जागरूकता और नवाचारों को जाता है। इंदौर के स्वच्छता मॉडल ने शहर को कचरा-मुक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इंदौर में खुले में कचरा फेंकना पूर्णतः प्रतिबंधित है। शहर में कचरा डंपिंग को शून्य करने के लिए सभी कचरे की प्रोसेसिंग की जाती है। गीले कचरे से खाद बनाई जाती है, जबकि सूखे कचरे को रिसाइकिल कर अनेक उत्पाद बनाए जाते हैं। इंदौर की सफलता का सबसे बड़ा आधार जनभागीदारी भी है। स्वच्छता के प्रति नागरिकों का जुनून और सामूहिक प्रयास इस मॉडल को अनूठा बनाते हैं। नगर निगम ने विभिन्न जागरूकता अभियानों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया है। इंदौर ने कचरा प्रबंधन के लिए हाई-टेक सिस्टम विकसित किया है। कचरा संग्रहण वाहनों की हर गतिविधि को जीपीएस के माध्यम से ट्रैक किया जाता है। एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियंत्रण कक्ष से हर सेकंड की गतिविधि की निगरानी की जाती है।

आज का राशिफल

राशि	फल	राशि	फल
मेष	मान-सम्मान बढ़ेगा।आपका मन प्रसन्न रेहगा। साथ ही, भौतिक सुखों में भी वृद्धि होने की संभावना है।	तुला	आज कार्यक्षेत्र में कामकाज से जुड़े कोई विवाद चल रहे थे तो वे अब सुलझ सकते हैं।
वृषभ	यात्रा करने से आपके मन को सुकून प्राप्त होगा और कानूनी मामलों में भी सफलता प्राप्त होगी।	वृश्चिक	दिन आज शुभ रहने वाला है। आर्थिक मामले में भी समय बेहद मजबूत है।
मिथुन	कार्यक्षेत्र में रचनात्मक और बड़े काम को पूरा करने में आपका ज्यादा समय बीत सकता है।	धनु	आप बिजनेस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठा लेते हैं, तो इससे बड़ा लाभ प्राप्त हो सकता है।
कर्क	आज काफी रचनात्मक रहने वाला है। आप कार्यक्षेत्र में जो भी काम पूरी मेहनत से करेंगे।	मकर	आज व्यापार के मामले में पार्टनरशिप में काम करने से लाभ प्राप्त हो सकता है।
सिंह	आपको धर्म से जुड़े कार्यों के लिए भी थोड़ा समय निकालना जरूरी होगा।	कुंभ	आज आपका दिन सुखद व्यतीत होगा। लाभ कमाने के कई नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं।
कन्या	व्यवहार पर आज ध्यान देना होगा। संयम और सावधानी बरतने से ही लाभ प्राप्त होगा।	मीन	परेशानियों का सामना कर रहे हैं तो धैर्य से आप उन्हें आसानी से दूर कर सकते हैं।

विशेष

चीन से संधि करने पहुंचे विदेश मंत्री एस जयशंकर

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन जाकर राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति से हेलो हाय की है। भारत, चीन के साथ अपने संबंध सुधारना चाहता है। विदेश मंत्री एस जयशंकर पहले ही कह चुके हैं। भारत से अमेरिका की इकोनॉमी 4 गुनी ज्यादा है। चीन की सैन्य क्षमता भी भारत के मुकाबले कई गुना है। ऐसी स्थिति में हम चीन के साथ लड़ नहीं सकते हैं। चीन इस स्थिति को समझ रहा है। चीन खुलकर पाकिस्तान का साथ दे रहा है। भारत से आयात कम और निर्यात ज्यादा कर रहा है। भारत से पैसा कमा रहा है,भारत के खिलाफ ही खर्च कर रहा है। भारत की सीमाओं पर चीन कब्जा कर रहा है। चीन से संबंध सुधारने की बात भारत कर रहा है। चीन की शर्तों पर भारत को सहमत होना पड़ रहा है। चीन से भारत लड़ तो नहीं सकता है। समर्पण और संधि के अलावा और कोई रास्ता भी तो नहीं है।

नर्स को मौलवी साहब ने बचाया

केरल की नर्स यमन में काम कर रही थी। यमन के नागरिक के साथ उसने पार्टनरशिप की थी। दोनों के बीच विवाद हुआ, नर्स ने उसे नशे का ओवरडोज इंजेक्शन दे दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। यमन के कानून के अनुसार भारतीय नर्स को मौत की सजा मिली। जिस व्यक्ति की मौत हुई थी, उसका परिवार मुआवजा लेने के लिए तैयार नहीं था। जिसके कारण उसे फांसी मिलना तय था। नर्स का परिवार सुप्रीम कोर्ट और सरकार के पास गुहार लगाता रह गया। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा हम जो प्रयास कर सकते थे, कर लिए।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1296 : अलाउद्दीन खिलजी दिल्ली का सुल्तान बना. 1610: रूस के जार बसिल शुइस्की हटाए गए. 1712: ब्रिटेन और फ्रांस में संधि हुई. 1763: अंग्रेजों ने कटवा में मीर कासिम को बुरी तरह पराजित किया. 1870: फ्रांस ने पूसिया के खिलाफ जंग का ऐलान किया. 1918: सिडनी रौलट ने भारत में राजनीतिक गतिविधियों पर पाबंदी लगाने वाली रिपोर्ट सरकार को सौंपी. 1943: मित्र राष्ट्रों की वायुसेना ने द्वितीय विश्व युद्ध में रोम पर पहली बार हमला किया. 1967: पीडमान्ट बोइंग 727 और 310 हवा में टकराकर हैंडरसॉनविले, नार्थ कैरोलिना, अमेरीका में नष्ट होने से 82 लोगों की मृत्यु. 1969: सरकार ने चौदह बड़े बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया. 1975: अमरीका और सोवियत संघ के अंतरिक्षयात्रियों के जुड़े हुए अंतरिक्ष यानों को अलग किया.

दैनिक पंचांग

जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्न	लग्नारंभ समय
सूर्य	कर्क में	कर्क	05.14 बजे से
चंद्र	मेष में	सिंह	07.34 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	09.46 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	11.57 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.11 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.27 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.33 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.19 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	21.52 बजे से
राहुकाल	9.00 से 10.30 बजे तक	मेष	23.22 बजे से
		वृष	01.02 बजे से
		मिथुन	03.01 बजे से

2025 वर्ष का 200 वा दिन

दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।

विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947

मास श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण

तिथि नवमी 14.43 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** भरणी 00.38 बजे रात्र को समाप्त। **योग** शूल 00.55 बजे रात्र को समाप्त। **करण** गर 14.43 बजे तदनन्तर वणिज 01.29 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 23.6 घण्टे

रवि क्रान्ति उत्तर 20° 50'

सूर्य उत्तरायन

कलि अहर्गण 1872410

जूलियन दिन 2460875.5

कलियुग संवत् 5126

कल्पारंभ संवत् 1972949123

सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123

वीरनिर्वाण संवत् 2551

हिजरी सन् 1446

महीना मोहर्रम

तारीख 23

दिन का चौघड़िया	समय	रात का चौघड़िया	समय
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

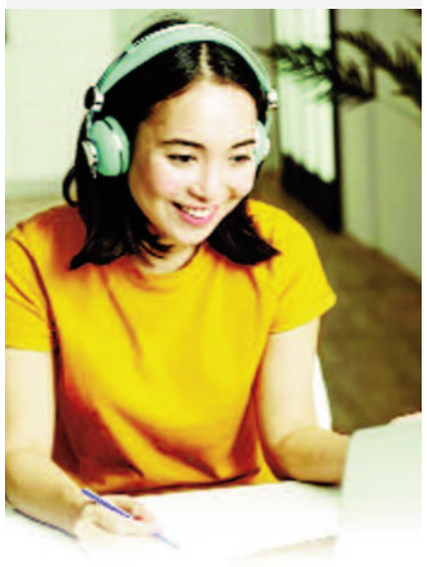

पढ़ा हुआ याद रखने के उपाय

आज के समय मे सभी सबजेक्ट को कैसे याद रखा जाए यह समस्या लगभग सभी के सामने होती है इस बात को सोचकर कुछ छात्र परेशान भी रहते है अगर आप पढ़ाई तो खूब करते है लेकिन आपको पढ़ा हुआ कुछ याद नहीं रहता है तो यहां इस पोस्ट मे हम आपको कुछ टिप्स बताने वाले है जिनसे आपको बहुत हद तक पढ़ा हुआ आसानी से याद हो जाएगा।

अपनी पढ़ाई को निरंतर जारी रखे पढ़ा हुआ याद रखने के लिए सबसे जरूरी है की आप रेगुलर अपनी पढ़ाई को करते रहे आपको जैसे भी समय मिलता है आप अपनी पढ़ाई को समय निकालकर कर सकते है इसके लिए आपको समय सारणी बनानी होती है। और उसके अनुसार ही तैयारी करनी होती है।

लिख कर याद करना

अक्सर आपने अपने शिक्षको से यह तो जरूर सुना होता की आपको याद करने के लिए लिखकर भी प्रयास करना चाहिए क्योंकि लिख कर याद करने से आपकी सोचने व समझने की क्षमता बढ़ती है आपको बिल्कुल पढ़ाई मे मन लगाने मे आसानी होती है। और आपको वह लिखने का फायदा यह होता है की हम उस समय केवल उस विषय के बारें मे ही सोचते है इससे हमारी याद करने की शक्ति बढ़ जाती है और हम उसके बाद किसी भी चीज को लम्बे समय तक याद रख सकते है और इसका एक और भी फायदा है की जब भी हम उस टोपिक को दुबारा देखेंगे तो हमे वह बाते जल्दी ही याद हो जाएगी।

तनाव व चिंता से दूर रहे

जब भी आप किसी विषय को पढ़ने बैठे तो आपका दिमाग बिलुकल फ्री होना चाहिए और किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। आपका दिमाग बिल्कुल फ्री होना चाहिए। इससे आपका पूरा ध्यान पढ़ाई पर होगा और आपको किसी भी विषय को याद करने मे आसानी होगी। अगर आपका मन उस समय पढ़ाई मे नहीं है और आप घर वालो के दबाव मे आकर केवल पढ़ने बैठते है तो आपको कुछ भी याद नहीं होगा इसलिए आपको फ्री दिमाग से पढ़ाई करनी चाहिए। आपको बिल्कुल शांत होकर पढ़ाई मे अपना ध्यान लगाना चाहिए। तब आपका मन पढ़ाई के प्रति आगे बढ़ेगा और आपको आसानी से याद होगा।

किसी दूसरे व्यक्ति को पढ़ाये

हम अक्सर देखते है की अपनी स्कूल या कॉलेज में अपनें बिना पुस्तक के आपको पूरा पाठ पढ़ा देते है, किसी को समझानें के लिए आपको उस विषय को बहुत अच्छी तरह से अध्ययन करना होता है और आप जब उस विषय या टॉपिक को किसी दूसरे व्यक्ति को पहली बार समझायेंगे तो आप स्वयं उसमें से कई बिंदु भूल जायेंगे, जब दोबारा फिर उस टॉपिक को पढ़ेंगे तो वह भूले हुए बिंदु हमें याद हो जायेंगे, एक समय ऐसा आएगा कि आप अपनें टीचर की तरह किसी को भी समझा पाएंगे आपको बता दे की अपने नॉलेज को दूसरों के साथ शेयर करने से आपका नॉलेज तेजी से बढ़ता है। इसके लिए आप अपने किसी मित्र को समझा सकते है या अपने सबजेक्ट के बारें मे चर्चा कर सकते है ऐसा करने से आपको आसानी से याद हो पाएगा।

पढ़ाई करते समय बीच मे ब्रेक लेना

जब आप पढ़ाई करते है तो आपको बीच मे 40-50 मिनट के बाद 10 मिनट का ब्रेक ले सकते है। पढ़ाई के बीच मे ब्रेक लेने से आपके दिमाग को थोड़ा आराम मेलेगा और आप दोबारा नई ऊर्जा के साथ पढ़ाई करने के लिए तैयार हो पाएंगे। इसके लिए आपको अधिक समय का ब्रेक नहीं लेना चाहिए।

जियोस्पेशल इंफॉर्मेशन स्टडीज में होता है जियोमेटिक्स का इस्तेमाल

आपके शहर, घर और पसंदीदा जगहों की सेटेलाइट तस्वीरों की हो या फिर उस जीपीएस तकनीक की, जिसकी मदद से आप कोई पता तलाशते हैं, किसी अनजाने क्षेत्र में जाने के लिए आसान रास्ता ढूंढ़ते हैं या कोई नजदीकी होटल खोजते हैं। कुछ साल पहले तक कोरी कल्पना लगने वाली ये तकनीकें अब हमारी जिंदगी का हिस्सा बन चुकी हैं। यह सब संभव हुआ है जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी के कारण।

क्या है यह तकनीक

जीआईएस या जियोमेटिक्स एक नई वैज्ञानिक अवधारणा है, जिसका इस्तेमाल जियोग्राफिकल इंफॉर्मेशन साइंस या जियोस्पेशल इंफॉर्मेशन स्टडीज में होता है। अकादमिक रूप से यह जियोइंफॉर्मेटिक्स विषय की एक शाखा है। इस विषय के सिद्धांतों को आधार बनाकर तैयार की गई तकनीकों को जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी कहा जाता है। इस तकनीक की मदद से सभी तरह की भौगोलिक सूचनाओं को इकट्ठा करके उनका संग्रहण, विश्लेषण और प्रबंधन किया जा सकता है। इस कार्य में जियोग्राफिक इंफॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस), ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) और रिमोट सेंसिंग का प्रयोग किया जाता है। भारत में जियोमेटिक्स का क्षेत्र अभी अपनी प्रारंभिक अवस्था में है, लेकिन एक उद्योग के रूप में यह तेजी से विस्तार कर रहा है। इसको अपने कामकाज के लिए बड़े पैमाने पर स्पेशल डाटा (आकाशीय आंकड़ों) की जरूरत होती है। मगर शुरुआती दौर में होने की वजह से इस उद्योग में कुशल पेशेवरों की कमी बनी हुई है। इस कारण यहां रोजगार और तरक्की की दृष्टि से काफी संभावनाएं हैं।

जियोइंफॉर्मेटिक्स शब्द जियोग्राफी और इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी से मिलकर बना है। इस तकनीक का लाभ परिवहन, रक्षा, विनिर्माण और संचार सहित सैकड़ों क्षेत्रों में लिया जा रहा है। अर्बन प्लानिंग, लैंड यूज मैनेजमेंट, इन-कार नेविगेशन सिस्टम, वचरुअल ग्लोब, पब्लिक हेल्थ, इंवायरन्मेंटल मॉडलिंग एंड एनालिसिस, मिलिट्री, ट्रांसपोर्ट नेटवर्क प्लानिंग एंड मैनेजमेंट, एग्रीकल्चर, मीटिअरोलॉजी, ओशियनोग्राफी एंड एटमॉस्फेयर मॉडलिंग, बिजनेस लोकेशन प्लानिंग, आर्किटेक्चर, आर्कियोलॉजिकल रिकंस्ट्रक्शन, टेलीकम्यूनिकेशंस, क्रिमिनोलॉजी एंड क्राइम सिमुलेशन, एविएशन और मैरीटाइम ट्रांसपोर्ट आदि से संबंधित कार्यो में जियोइंफॉर्मेटिक्स काफी मददगार साबित हो रहा है। क्लाइमेट चेंज स्टडीज, टेलीकम्यूनिकेशंस, डिजास्टर मैनेजमेंट और उसकी तैयारियों में इस तकनीक से विशेष मदद मिलती है। इसी तरह बिजनेस लोकेशन प्लानिंग, आर्किटेक्चर और आर्कियोलॉजिकल रिकंस्ट्रक्शन में इस तकनीक को अपनाए जाने के बाद काम की गुणवत्ता में काफी सुधार आया है। जियोग्राफी और अर्थ साइंस के विशेषज्ञों और शोधार्थियों को भी इस तकनीक से सटीक अध्ययन में काफी मदद मिली है। जियोइंफॉर्मेटिक्स के बढ़ते महत्व का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि अब यह सरकारी और निजी क्षेत्र के संगठनों में बड़े निर्णयों का आधार भी बनने लगा है। व्यावसायिक प्रतिष्ठान, पर्यावरण एजेंसियां, सरकार, शोध-शिक्षण संस्थान, सर्वेक्षण और मानचित्रीकरण संगठन अपने कामकाजी फैसलों में इस तकनीक से प्राप्त आकंड़ों को वरीयता देते हैं। कई सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों ने अपने दैनिक कार्यो का प्रबंधन करने के लिए भी स्पेशल डाटा का उपयोग शुरू कर दिया है।

संभावनाएं

जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी में कई तरह के रोजगार उपलब्ध हैं। साथ ही नए-नए अवसर भी इस क्षेत्र में पैदा हो रहे हैं। एनालिस्ट, काटरेग्राफर, सर्वेयर, प्लानर, एरियल फोटोग्राफर और मैपिंग टेक्निशियन आदि रोजगार के कुछ प्रमुख विकल्प हैं, जिन्हें जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी की पढ़ाई कर रहे छात्र चुन सकते हैं।

जरूरी गुण

- जटिल मामलों को सुलझाने का कौशल
- विश्लेषण करने का हुनर
- समस्याओं को भांपने और उनका हल तलाशने की काबिलियत
- अपने विषय से गहरा लगाव
- नए उपायों को तलाशने का उत्साह
- रचनात्मकता और सीखने की ललक
- लिखित व मौखिक रूप में भाषा पर गहरी पकड़
- नई चीजों को जानने और सीखने में रुचि
- अपने विषय क्षेत्र की गहरी जानकारी और उसमें हो रहे बदलावों का ज्ञान

बनाएं मोबाइल फ्रेंडली रेज्यूमे, फॉलो करें ये टिप्स

हायरिंग मैनेजर्स और रिक्रूटर्स इतने व्यस्त प्रोफेशनल्स हैं कि उन्हें ऑफिस के बाहर भी अपने ई-मेल्स चेक करने पड़ते हैं। आजकल स्मार्ट फोन, टेबलेट्स या अल्ट्रामोबाइल डिवाइस के बढ़ते उपयोग के साथ यह संभव हो पाया है। अब ऐसे में अगर आपने जॉब इंटरव्यू के लिए अप्लाई किया हो और रिज्यूमे को हायरिंग मैनेजर मोबाइल पर एक्सेस कर रहे हैं तो यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि आपका रेज्यूमे मोबाइल फ्रेंडली हों। मोबाइल फ्रेंडली रेज्यूमे एक वैकल्पिक रेज्यूमे है जिसे तैयार करने का उद्देश्य है कि मोबाइल पर इसे बिना जूम-इन या ड्रेगिंग के स्पष्ट तरीके से पढ़ा जा सके। आपको रिक्रूटर्स को स्टैंडर्ड माइक्रोसॉफ्ट रेज्यूमे के साथ यह मोबाइल रेज्यूमे भी सबमिट करना चाहिए। यहां मोबाइल रेज्यूमे तैयार करने के टिप्स दिए जा रहे हैं जिसे आप माइक्रोसॉफ्ट वर्ड पर परफॉर्म कर सकते हैं और इसके लिए आपको किसी ऐप को खरीदने या फाइल को कंवर्ट करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

- आपका रेज्यूमे एक डिवाइस पर दिखेगा जो कि एवरेज पीसी या लेपटॉप स्क्रीन की साइज का 10 प्रतिशत है। अपने मोबाइल रेज्यूमे में किसी तरह की इमेज या चार्ट न शामिल करें। जो चीजें बड़ी स्क्रीन पर अच्छी दिखती है, वह छोटे पर काफी गड़बड़ नजर आएगी। फॉन्ट साइज 32 रखें। हाई कॉन्ट्रास्ट कलर्स जैसे ब्लू बैकग्राउंड और व्हाइट फॉन्ट यूज करें। स्लाइड के टॉप और बॉटम के मार्जिन को मेनटेन रखें। 6*9 इंच पर्याप्त है। ऐसा नहीं है कि इससे जूम और ड्रेग करने की बिलकुल जरूरत नहीं पड़ेगी बल्कि इसकी जरूरत में कमी जरूर आएगी।
- मोबाइल रीडर के लिए अगर आप रेज्यूमे बना रहे हैं तो यह बात ध्यान में रखें कि रीडर छोटा मैसेज चाहता है। मोबाइल रेज्यूमे के लिए छोटा मैसेज एंगेजिंग होता है। बुलेट स्टेटमेंट्स को सात शब्दों में रखें। हर बुलेट में शब्दों की एक लाइन आदर्श मानी जाती है।
- एक स्लाइड फॉर्मेट में न्यूनतम जानकारी के साथ स्लाइड्स की सीरीज के हिस्से के रूप में हर स्लाइड लें। अपने रेज्यूमे को तीन से पांच स्लाइड में रखें। इससे रेज्यूमे को पढ़ना ज्यादा आसान होता है।
- अपने रेज्यूमे को टेबलेट और एक मोबाइल फोन पर चेक करके जरूर देख लें। अपने माइक्रोसॉफ्ट वर्ड डॉक्यूमेंट को भेजने से पहले पीडीएफ बना लें।

प्रमुख रोजगार क्षेत्र और कार्य

- आईटी - जीआईएस प्रोग्रामर और जीआईएस डेवलपर
- इंवायरन्मेंट -इंवायरन्मेंटल प्लानिंग एंड मैनेजमेंट
- गवर्नमेंट (स्टेट एंड सेंट्रल) - को-ऑर्डिनेटर, साइंटिस्ट, रिसर्च एसोसिएट और जीआईएस एग्जिक्यूटिव
- जियोलॉजी - जियोलॉजिकल एंड जियोमॉफरेलॉजिक मैपिंग, टरेन एंड कडैस्ट्रल मैपिंग और माइनिंग
- डिजास्टर मैनेजमेंट - आकलन और राहत कार्यक्रमों में
- एग्रीकल्चर - फसलों का रकबा जानने और नुकसान का आकलन करने में
- मिलिट्री - युद्ध की योजना बनाने और युद्ध के बाद के प्रभावों का अनुमान लगाने में
- अर्बन - टाउन प्लानिंग, मॉनिटरिंग सर्फेस वाटर और टार्गेटिंग ग्राउंड वाटर
- एजुकेशनल इंस्टीटयूट - लेक्चरर, रीडर, साइंटिफिक ऑफिसर और प्रोफेसर

संबंधित संस्थान

- इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ रिमोट सेंसिंग, देहरादून
- इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी, खड़गपुर, कानपुर और रुड़की
- बिरला इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रांची, कोलकाता, जयपुर
- नेशनल रिमोट सेंसिंग एजेंसी, हैदराबाद
- इसरो, बेंगलुरु
- जवाहरलाल नेहरू टेक्निकल यूनिवर्सिटी, हैदराबाद
- सिंबायोसिस इंस्टीटयूट ऑफ जियोइंफॉर्मेटिक्स

स्टार्ट-अप से नौकरी खोजने नहीं बल्कि नौकरी देने वाले की भूमिका में सामने आ रहे हैं युवा

अमेरिका और ब्रिटेन के बाद स्टार्ट-अप शुरू करने के मामले में फिलहाल दुनिया में तीसरे नंबर पर चल रहे भारत के विकास को देखते हुए उम्मीद की जा रही है कि अगले साल तक हमारा देश नंबर वन बन सकता है। भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए स्टार्ट-अप इंडिया कार्यक्रम से इसे और गति मिल सकती है। माना जा रहा है कि अगले दस साल में भारत में एक लाख स्टार्ट-अप स्थापित होंगे, जिनमें करीब 35 लाख युवाओं को रोजगार मिल सकता है। आइए देखें कि आप इस स्थिति से लाभ उठाने के लिए खुद को कैसे तैयार कर सकते हैं।

ट्रैंड में बदलाव

पिछले कुछ वर्षों में ही जॉब्स ट्रैंड में 360 डिग्री का बदलाव देखने में आ रहा है। पहले युवा जहां सरकारी या एमएनसी नौकरियों के पीछे दौड़ लगाते थे, वहीं अब इनमें से तमाम युवा नौकरी खोजने-पाने नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले की भूमिका में सामने आ रहे हैं। 'फोर्ब्स'' ने अपनी रिपोर्ट में माना है कि भारत में स्टार्ट-अप शुरू करने वाले युवा उद्यमियों की औसत उम्र 30 साल से कम है। भारत में छोटे-बड़े मिलाकर फिलहाल करीब 5 हजार स्टार्ट-अप्स काम कर रहे हैं। इसमें हर दिन 4 से 6 स्टार्ट-अप जुड़ते हैं। इनकी सफलता को देख नौकरी कर रहे और नौकरी तलाश रहे बहुतेरे प्रतिभाशाली युवा भी अपनी रुचि के क्षेत्र में स्टार्ट-अप शुरू करने की संभावनाएं तलाश रहे हैं। इतना ही नहीं, इनकी कामयाबी को देखते हुए स्थापित कंपनियों में सीनियर लेवल पर काम कर रहे एम्प्लॉयी भी दूसरी बड़ी कंपनियों से जुड़ने के बजाय इन स्टार्ट-अप्स से जुड़ना कहीं अधिक पसंद कर रहे हैं। या फिर वे खुद की ही कंपनी स्थापित करने की दिशा में बढ़ रहे हैं। स्टार्ट-अप्स के भविष्य को देखते हुए इन्हें एंजल इन्वेस्टर्स का भी खूब साथ मिल रहा है।

मुश्किलें कैसे हों आसान

देश को विकास की राह पर आगे बढ़ाने वाला यह दिलचस्प ट्रैंड और जोर पकड़ सकता है, बशर्ते सरकार स्टार्ट-अप्स की राह में आने वाली बाधाओं को दूर करते हुए सरलता से इनके आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करे। अगर सरकार अपनी योजनाओं को प्रचारित-प्रसारित करने के साथ-साथ इन पर शत-प्रतिशत व्यवहारिक अमल करे और समय-समय पर स्टार्ट-अप शुरू करने वाले युवाओं की चिंताओं को समझकर उन्हें दूर करने का प्रयास करे, तो निश्चित रूप से उन एक्सपर्ट्स की बात सही साबित हो सकती है, जो यह मानते हैं कि अगले ही साल तक अमेरिका और ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए स्टार्ट-अप्स के मामले में भारत दुनिया का नंबर वन देश बन सकता है। इसके लिए राज्य सरकारों को भी आगे आना होगा।

समझें अपनी ताकत

अगर आप भी भारतीय स्टार्ट-अप्स से प्रेरित हैं और अपने मन का कुछ करने के लिए व्याकुल हैं, तो अति-उत्साह में आने या सिर्फ सपने देखने के बजाय सबसे पहले अपनी ताकत को जानें-समझें। इस बात की संभावनाएं तलाशें कि जिस क्षेत्र में आपकी रुचि है, उसमें आप नया क्या कर सकते हैं। आप जो प्रोडक्ट या सर्विस देना चाहते हैं, उसे लोग क्यों पसंद करेंगे? आप उसे लोगों तक किस तरह पहुंचाएंगे? उसकी मार्केटिंग कैसे करेंगे? उसके लिए आर्थिक रूप से कितना मजबूत होना जरूरी है? भविष्य के लिए आपकी क्या रणनीति है? आप एक मजबूत टीम किस तरह बनाएंगे? इन सब बातों पर विचार और पूरी तैयारी करने के बाद ही काम आरंभ करें। एक-एक कदम सोच-समझकर बढ़ाएं।

करें कारगर पहल

अगर आप खुद का स्टार्ट-अप शुरू करने के बजाय कुछ साल नौकरी करके जरूरी व्यवहारिक बारीकियां सीखना-समझना चाहते हैं, तो किसी भी कंपनी में (स्टार्ट-अप ही हो तो बेहतर) शुरूआत कर सकते हैं। हां, जहां भी किसी कंपनी को जॉइन करें, वहां पूरी लगन, मेहनत और ईमानदारी से काम करें। उत्सुकता और उत्साह के साथ सीखने के लिए तत्पर रहें। जहां सुझाव मांगे जाएं, वहां अपने इनोवेटिव आइडियाज जरूर शेयर करें। मैनेजमेंट और सीनियर्स की नजरों में अपनी काबिलियत साबित करें।

यूं करें शुरूआत

- एंटरप्रेन्योर के रूप में खुद का स्टार्ट-अप शुरू करना चाहते हैं, तो सबसे पहले उस यूनीक काम/क्षेत्र को चुनें, जिसमें आप अपना काम करना चाहते हैं।
- उसके बाद उस क्षेत्र की बुनियादी जरूरतों के बारे में खूब रिसर्च करें। उस क्षेत्र में पहले किसी ने काम किया है, तो उसकी उपलब्धियों पर गौर करें।
- यदि किसी को असफलता मिली है, तो उससे भी कोई-न-कोई सीख मिल सकती है।
- सभी मोर्चों पर ठोस तैयारी के बाद ही काम आरंभ करें।

अब 9 कैरेट सोने पर भी हॉलमार्किंग जरूरी, ग्राहकों के हित में उठाया गया कदम

नईदिल्ली, एजेंसी। ग्राहकों को सोने की शुद्धता की सही जानकारी देने के लिए बीआईएस ने बड़ा कदम उठाया है। इस फैसले के बाद अब 9 कैरेट सोने पर भी हॉलमार्किंग जरूरी हो गई है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने शुक्रवार से 9 कैरेट सोने से बनी जूलरी पर भी हॉलमार्क अनिवार्य कर दिया है। अब तक 24, 23, 22, 20, 18 और 14 कैरेट तक के सोने से बने गहनों पर ही हॉलमार्किंग करना

अनिवार्य था। हालांकि, सोने से बनी घड़ियों और पेन पर अब हॉलमार्क जरूरी नहीं है। हॉलमार्किंग सेंटरों को बीआईएस के नए नियमों का पालन करना होगा

ऑल इंडिया जेम्स एंड जूलरी डोमेस्टिक काउंसिल ने बताया कि अब सभी आभूषण विक्रेताओं और हॉलमार्किंग सेंटरों को बीआईएस के नए नियमों का पालन करना होगा। इसके मुताबिक, 9 कैरेट सोना (375 पीपीटी) भी अनिवार्य हॉलमार्किंग के दायरे में आ गया है।

सोने की शुद्धता की सही जानकारी देना है असली मकसद- पहले 9 कैरेट सोने के लिए यह जरूरी नहीं था, लेकिन ग्राहकों को सोने की शुद्धता की सही जानकारी देने के लिए इसे अनिवार्य किया गया है।

प्लास्टिक कचरे को हटाने का कमाल का सॉल्यूशन

- दूध की थैली जो 90 दिन में बन जाती हैं खाद

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक मिल्क फेडरेशन ने अब नंदिनी ब्रैंड के दूध के पैकेट की बिक्री प्लास्टिक की थैलियों की जगह इको-फ्रेंडली पैकेजिंग में करने का फैसला किया है। अब बेंगलुरू में मिलने वाला नंदिनी दूध बायो डिग्रेडेबल पैकेट में मिलेगा। ये पैकेट मकई स्टार्च, गन्ना और अन्य प्लांट बेस्ड मटीरियल

से बनाए गए हैं। बेंगलुरू में इस पायलट प्रोजेक्ट के मॉडल की सफलता देश में दूध की थैलियों से होने वाले प्रदूषण को कम करने की राह प्रशस्त करेगी। प्लास्टिक की तुलना में ये जैविक पैकेट सिर्फ 90 दिनों में कुदरती रूप से ऑर्गेनिक खाद में भी बदले जा सकते है, जबकि पारंपरिक पॉलीथीन पैकेट्स को गलने में 500 साल तक लग सकते हैं। इस पहल की शुरुआत बैंगलोर मिल्क यूनियन लिमिटेड की ओर से एक पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर की गई थी। यह मॉडल भारत की मिल्क इंडस्ट्री के लिए मिसाल बन सकता है।

लीकेज की भी दिक्कत नहीं

केएमएफ के मैनेजिंग डायरेक्टर शिवस्वामी बी. ने बताया कि अब तक पैकेट में किसी तरह की लीकेज की शिकायत नहीं मिली, दूध की क्वालिटी बनी रही और उपभोक्ता पूरी तरह संतुष्ट दिखे। हर दिन 20-25 लाख प्लास्टिक पैकेट की खपत होती है। केएमएफ के मार्केटिंग डायरेक्टर रघुनंदन एम. ने बताया कि हर दिन 20 से 25 लाख प्लास्टिक पैकेट का इस्तेमाल होता है। बिक्री के बाद कंपनी को हर साल लगभग 15,000 मीट्रिक टन प्लास्टिक को रिसाइकिल करने में भारी खर्च करना पड़ता है।

भारत के साथ समझौते से पहले यूएस बोला-

ऑटो क्षेत्र पर टैक्स राष्ट्रीय सुरक्षा के तहत, संरक्षणवाद नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका ने भारत के इस दावे को खारिज कर दिया है कि ऑटो और ऑटो पार्ट्स पर अमेरिकी टैरिफ विश्व व्यापार संगठन के नियमों के तहत संरक्षणवादी उपाय हैं। अमेरिका ने कहा कि ये कर राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर लगाए गए हैं इसलिए भारत के पास इस मामले में जवाबी शुल्क लगाने का कोई आधार नहीं है।

जवाबी शुल्क लगाने का अधिकार सुरक्षित

भारत ने डब्ल्यूटीओ से कहा है कि वह ऑटो और ऑटो पार्ट्स पर 25 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ के मामले में जवाबी शुल्क लगाने का अधिकार सुरक्षित रखता है। भारत ने डब्ल्यूटीओ के सामने दावा किया है कि अमेरिका ने जो टैरिफ लगाया है ये संरक्षणवादी उपाय है जिनसे उसके घरेलू उद्योग को नुकसान पहुच रहा है।

ट्रंप ने वस्तुओं के आयात को समायोजित करने के लिए टैरिफ लगाए- भारत के इस दावे के जवाब में अमेरिका ने डब्ल्यूटीओ को बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन वस्तुओं के आयात को समायोजित करने के लिए टैरिफ लगाए हैं क्योंकि इनसे अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा है।

विश्व व्यापार संगठन में बोला अमेरिका- ये कदम... संरक्षणवाद नहीं- विश्व व्यापार संगठन की ओर से 17 जुलाई को जारी एक संचार में अमेरिका के हवाले से कहा गया है, ये कदम... संरक्षणवाद नहीं है। इसलिए इन उपायों के संबंध में सुरक्षा उपायों पर समझौते के तहत रियायतों को निलंबित करने के भारत के प्रस्ताव का कोई आधार नहीं है।

टैरिफ को संरक्षणवादी उपाय नहीं मानता ट्रंप प्रशासन

अमेरिका ने भारत पर आरोप लगाया कि उसने डब्ल्यूटीओ के संरक्षणवादी उपायों पर समझौते के तहत तय दायित्वों का पालन नहीं किया है। उसने कहा, अमेरिका समझौते के तहत धारा 232 के टैरिफ पर चर्चा नहीं करेगा क्योंकि हम टैरिफ को संरक्षणवादी उपाय नहीं मानते हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार 3 अरब डॉलर घटकर 696.672 अरब डॉलर पर, भारतीय रिजर्व बैंक ने जारी किए आंकड़े

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 11 जुलाई को समाप्त सप्ताह में 3.064 अरब डॉलर घटकर 696.672 अरब डॉलर रह गया। आरबीआई ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पिछले रिपोर्टिंग सप्ताह में कुल जमा 3.049 बिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 699.736 अरब डॉलर रह गया था। सितंबर 2024 के अंत में भंडार 704.885 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया था। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा आस्तियों में डॉलर के मुकाबले यूरो, पाउंड और येन जैसी अन्य मुद्राओं के उतार-चढ़ाव का भी असर शामिल होता है। विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.477 अरब डॉलर घटकर 588.81 अरब डॉलर रह गईं।

- **स्वर्ण भंडार घटकर 84.3 अरब डॉलर पर पहुंचा-** आरबीआई ने कहा कि सप्ताह के दौरान सोने का भंडार 498 मिलियन डॉलर घटकर 84.348 अरब डॉलर रह गया। साथ ही स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स (एसडीआर) 66 मिलियन डॉलर घटकर 18.802 अरब डॉलर रह गए। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारतकी आरक्षित स्थिति 24 मिलियन डॉलर घटकर 4.7111 अरब डॉलर रह गई।

भारत-अमेरिका की टीमों ने प्रस्तावित व्यापार समझौते के लिए पांचवें दौर की वार्ता पूरी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और अमेरिका की टीमों ने 17 जुलाई को वाशिंगटन में प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के लिए पांचवें दौर की वार्ता पूरी कर ली है। यह वार्ता वाशिंगटन में चार दिनों (14-17 जुलाई) तक चली। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी है। अधिकारी ने कहा, ''भारतीय टीम वापस आ रही है।'' भारत के मुख्य वार्ताकार और वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल वार्ता दल का नेतृत्व कर रहे हैं। ये विचार-विमर्श महत्वपूर्ण हैं क्योंकि दोनों पक्ष 1 अगस्त से पहले अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने पर विचार कर रहे हैं, जो भारत (26 प्रतिशत) सहित दर्जनों देशों पर लगाए गए ट्रम्प टैरिफ के निलंबन की आखिरी तारीख है। इस साल 2 अप्रैल को, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन उच्च पारस्परिक शुल्कों की घोषणा की थी। टैरिफ की ऊंची दरों को पहले 90 दिनों के लिए 9 जुलाई तक और फिर 1 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दिया गया। इस बीच अमेरिका, कई देशों के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है। समझा जाता है कि पांचवें दौर की वार्ता में कृषि और ऑटोमोबाइल से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। गैर-बाजार अर्थव्यवस्थाओं और एससीओएमईटी (विशेष रसायन, जीव, सामग्री, उपकरण और

प्रौद्योगिकी) से निपटने के तरीकों पर भी चर्चा हुई। कृषि और डेयरी उत्पादों पर शुल्क में रियायत की अमेरिकी मांग पर भारत ने अपना रुख कड़ा कर लिया है। डेयरी क्षेत्र में मुक्त व्यापार समझौते में भारत ने अब तक अपने किसी भी व्यापारिक साझेदार को कोई शुल्क रियायत नहीं दी है। कुछ किसान संगठनों ने सरकार से आग्रह किया है कि व्यापार समझौते में कृषि से जुड़े किसी भी मुद्दे को शामिल न किया जाए। भारत इस अतिरिक्त शुल्क (26 प्रतिशत) को हटाने की मांग कर रहा है। वह स्टील और एल्युमीनियम (50 प्रतिशत) और ऑटो (25 प्रतिशत) क्षेत्रों पर शुल्क में ढील की भी मांग कर रहा है। इनके विरुद्ध, भारत ने विश्व व्यापार संगठन के मानदंडों के तहत प्रतिशोधात्मक शुल्क लगाने का अपना अधिकार सुरक्षित रखा है। प्रस्तावित व्यापार समझौते में देश श्रम-प्रधान क्षेत्रों जैसे वस्त्र, रत्न एवं आभूषण, चमड़े के सामान, परिधान, प्लास्टिक, रसायन, झींगा, तिलहन, अंगूर और केले के लिए शुल्क रियायत की भी मांग कर रहा है। दूसरी ओर, अमेरिका कुछ औद्योगिक वस्तुओं, ऑटोमोबाइल, विशेषकर इलेक्ट्रिक वाहनों, वाइन, पेट्रोकेमिकल उत्पादों, कृषि वस्तुओं, डेयरी उत्पादों, सेब, वृक्ष नट्स और आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों पर शुल्क रियायत चाहता है। दोनों देश प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण के लिए बातचीत इस साल पतझड़ (सितंबर-अक्तूबर) तक पूरी करना चाहते हैं। उससे पहले, वे एक अंतरिम व्यापार समझौते पर भी विचार कर रहे हैं। इस वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में अमेरिका को भारत का वस्तु निर्यात 22.8 प्रतिशत बढ़कर 25.51 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 11.68 प्रतिशत बढ़कर 12.86 अरब डॉलर हो गया।

इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड को एक साथ मिले हैं 3 बड़े ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। रेलवे से जुड़ी इंजीनियरिंग फर्म इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड को तीन बड़े ऑर्डर मिले हैं। कंपनी ने कहा कि उसने कुल 1,869 करोड़ रुपये से अधिक के तीन प्रमुख कॉन्ट्रैक्ट हासिल किए हैं। इनमें मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) से मुंबई मेट्रो परियोजनाओं के लिए दो और मध्य प्रदेश में रेलवे परियोजना के लिए रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) से एक कॉन्ट्रैक्ट शामिल है।

क्या है डिटेल

इस कॉन्ट्रैक्ट के दायरे में पश्चिम मध्य रेलवे के इंदौर-बुदनी खंड में पिपलिया नानकार (छोड़कर) और बुदनी (सहित) के बीच एक नई ब्रॉड-गेज रेलवे लाइन के लिए सड़क, छोटे पुलों, भवनों, ट्रैक स्थापना (पटरियों, स्लीपरों और थिक वेब स्विच की आपूर्ति को छोड़कर) के निर्माण के साथ-साथ अन्य सिविल और विद्युत कार्य शामिल हैं। इसे 36 महीनों में पूरा किया जाना है, जिसमें छह महीने की अतिरिक्त दोष दायित्व अवधि भी शामिल है। इसके अलावा, एमएमआरडीए ने इरकॉन को मुंबई मेट्रो लाइन-5, पैकेज-2 के लिए सीए-239 ठेका दिया है।

क्या कहा इरकॉन ने

इरकॉन ने घोषणा की है कि उसे मध्य प्रदेश में 755.78 करोड़ (जीएसटी सहित) मूल्य की एक रेलवे अवसंरचना परियोजना के लिए आरवीएनएल से ऑर्डर प्राप्त हुआ है। यह ठेका इरकॉन-जेपीडब्ल्यूआईपीएल संयुक्त उद्यम को दिया गया है, जिसमें इरकॉन की 70 प्रतिशत हिस्सेदारी है। ऐसे में परियोजना में इरकॉन की हिस्सेदारी जीएसटी सहित 529.04 करोड़ है।

शेयर का हाल

इरकॉन के शेयर की बात करें तो एक फीसद से ज्यादा टूटकर 186.74 रुपये तक आ गया। इस शेयर के परफॉर्मे की बात करें तो कुछ साल पहले तक यह 35 रुपये के स्तर पर रहा।

व्यापार वार्ता में भारत को अपनानी होगी चतुराई

राजन बोले- कृषि व डेयरी पर समझौते में सतर्कता जरूरी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत को अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत करते समय बहुत सावधान और चतुराई से काम लेने की जरूरत है। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने शुक्रवार को यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि व्यापार समझौते में सबसे ज्यादा ध्यान कृषि क्षेत्र में देने की है, जिसे विकसीत देशों द्वारा भारी सब्सिडी दी जाती है।

पीटीआई को दिए साक्षात्कार में राजन ने कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6 से 7 प्रतिशत के दायरे में स्थिर हो गई है। वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं कारण इस पर कुछ असर पड़ सकता है।

उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि जहां व्यापार वार्ता अधिक कठिन है, वह कृषि जैसे क्षेत्र हैं, जहां प्रत्येक देश अपने उत्पादकों को सब्सिडी देते हैं। हमारे उत्पादक अपेक्षाकृत छोटे हो सकते हैं, उनकी सब्सिडी कुछ कम हो सकती है।

ऐसे में अगर कृषि उत्पादों का बिना नियंत्रण के आयात होता है तो हमारे किसानों के लिए यह मुश्किलें पैदा कर सकता है।

विकसीत देशों से निवेश बढ़ाने की जरूरत

राजन ने कहा कि उदाहरण के तौर पर, क्या हम विकसित देशों से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को प्रोत्साहित कर सकते हैं ताकि कुछ क्षेत्रों में मूल्यवर्धन बढ़ाया जा सके। जैसे कि डेयरी क्षेत्र में जिससे दूध, मिल्क पाउडर, पनीर आदि जैसे उत्पादों में सुधार हो और हमारे दुग्ध उत्पादकों को लाभ हो सके।

ट्रंप का प्रस्ताव

इस सप्ताह के शुरुआत में भारतीय टीम प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए पांचवें दौर की वार्ता के लिए वाशिंगटन में थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौता अमेरिका द्वारा इंडोनेशिया के साथ किए गए समझौते की तर्ज पर होगा। कृषि क्षेत्र में पहुंच प्रदान करना सरकार के लिए एक राजनीतिक मुद्दा साबित हो रहा है।

भारत अपना रहा कड़ा रुख- पूर्व गवर्नर ने कहा कि क्या ऐसी चीजें हैं जो हम कर सकते हैं, बजाय इसके कि हम यह कहें कि हम अन्य देशों से भारत में अधिक दूध आयात करें।

कृषि और डेयरी उत्पादों पर शुल्क में रियायत की अमेरिकी मांग पर भारत ने अपना रुख कड़ा कर लिया है। डेयरी क्षेत्र में मुक्त व्यापार समझौते में भारत ने अब तक अपने किसी भी व्यापारिक साझेदार को कोई शुल्क रियायत नहीं दी है।

एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस से बाहर निकला अडानी समूह

274 रुपये पर ट्रेड कर रहा है शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम अडानी समूह ने शुक्रवार को एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस में अपनी बाकी 10.42 प्रतिशत हिस्सेदारी 3,732 करोड़ रुपये में बेच दी। इसी के साथ समूह इस कंपनी से बाहर निकल गया है। बता दें कि इस कंपनी को पहले अडानी विल्मर के नाम से जाना जाता था। इस बीच, बीएसई पर एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस का शेयर 1.31 प्रतिशत गिरकर 274.60 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बंद हुआ।

क्या कहते हैं आंकड़े

बीएसई के आंकड़ों के अनुसार डील ओपन मार्केट में ट्रांजैक्शन के जरिये की गई। बल्क डील के आंकड़ों के अनुसार अडानी एंटरप्राइजेज की सहायक कंपनी अडानी कमोडिटीज एलएलपी (एसीएल) ने शुक्रवार को 11 किस्तों में कुल 13,54,82,400 इक्विटी शेयर बेचे, जो एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस में 10.42 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। इस लेनदेन का कुल मूल्य लगभग 3,732.54 करोड़ रुपये था और यह सौदा औसतन 275.50 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर हुआ।

किसने खरीदी हिस्सेदारी- दुबई स्थित शाजैतन इन्वेस्टमेंट एफजेडसीओ ने एग्री बिजनेस में 11.07 करोड़ से ज्यादा इक्विटी शेयर या 8.52 प्रतिशत हिस्सेदारी 3,049.99 करोड़ रुपये में खरीदी। क्वांट म्यूचुअल फंड (एमएफ), आईडीएफसी एमएफ, बंधन एमएफ, जुपिटर फंड मैनेजमेंट, मॉर्गन स्टेनली एशिया सिंगापुर, अमेरिका स्थित सस्क्वेहन्ना इंटरनेशनल ग्रुप, फ्रैंकलिन टेम्पलटन, वैनगार्ड और सिंगापुर स्थित ड्यूरो कैपिटल ने भी एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस के शेयर खरीदे। बता दें कि उद्योगपति गौतम अडानी द्वारा प्रवर्तित अडानी समूह ने गुरुवार को कहा था कि उसने एफएमसीजी व्यवसाय से बाहर निकलने और बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस में हिस्सेदारी बेची। एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस फॉर्च्यून ब्रांड के तहत खाद्य तेल और अन्य खाद्य उत्पाद बेचती है।

कैसे रहे जून तिमाही के नतीजे

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड का नेट प्रॉफिट 24 प्रतिशत घटकर 237.95 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने कहा कि खर्च बढ़ने से उसका मुनाफा कम हुआ है। एक साल पहले इसी अवधि में कंपनी ने 313.20 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया था।

700 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न देने वाला स्टॉक 1 ही दिन में 19 प्रतिशत टूटा

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले कुछ सालों से निवेशकों को अच्छा रिटर्न देने वाला स्टॉक एमपीएस लिमिटेड के शेयरों में शुक्रवार को भारी गिरावट देखने को मिली। यह स्टॉक कल दिन में 19 प्रतिशत से अधिक टूट गया था। कंपनी के शेयरों में गिरावट के पीछे की वजह चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के नतीजे रहे हैं।

इस बात ने बढ़ाई टेंशन- एमपीएस लिमिटेड की तरफ से दी जानकारी के अनुसार मार्च तिमाही के दौरान कुल रेवन्यू 2.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 186.30 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी के लिए चिंता की बात यह है कि उसके रिसर्च बिजनेस का रेवन्यू 118 करोड़ रुपये से घटकर 108 करोड़ रुपये हो गया है। यह डिविजन कंपनी के रेवन्यू में 59 प्रतिशत का योगदान करता है। भले ही रेवन्यू के मोर्चे पर कंपनी को संघर्ष करना पड़ा हो लेकिन प्रॉफिट 40 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी का नेट प्रॉफिट जून तिमाही के दौरान 35 करोड़ रुपये रहा है। सालाना आधार पर 21 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 50 करोड़ रुपये पहुंच गया है।

1 हफ्ते में 13 प्रतिशत टूट चुका है शेयर

कल की गिरावट के बाद कंपनी के शेयरों का भाव एक हफ्ते में 13 प्रतिशत टूट चुका है। हालांकि, इसके बाद भी यह मल्टीबैगर स्टॉक 6 महीने में 23 प्रतिशत का रिटर्न देने में सफल रहा है। वहीं, एक साल में कंपनी के शेयरों का भाव 16 प्रतिशत बढ़ा है।

कंपनी दे रही है डिविडेंड

इस कंपनी ने निवेशकों के लिए डिविडेंड का भी ऐलान किया है। कंपनी ने एक शेयर पर 50 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है। इस डिविडेंड के लिए एमपीएस लिमिटेड ने 13 अगस्त 2025 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है।

घरेलू क्रिकेट में वापसी को तैयार शमी

बंगाल के संभावित खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल किया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को आगामी 2025-26 घरेलू सत्र के लिए बंगाल के 50 संभावित खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल किया गया है। चोट की चिंताओं के चलते शमी को इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम से बाहर रखा गया था। 34 वर्षीय मोहम्मद शमी ने इंडियन प्रीमियर लीग-2025 के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। इस सीजन में उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद का प्रतिनिधित्व किया था, लेकिन उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके। शमी भारत की ओर से मार्च 2025 में आखिरी बार खेले थे। यह चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला था। इस टूर्नामेंट में शमी ने पांच मुकाबले खेलते हुए नौ विकेट अपने नाम किए थे। वनडे वर्ल्ड कप-2023 में मोहम्मद शमी ने 24 विकेट अपने नाम किए थे। इसके बाद उन्होंने टखने की सर्जरी करवाई। हाल ही में शमी ने प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में सफल वापसी करते हुए रणजी ट्रॉफी में बंगाल को मध्य प्रदेश के खिलाफ 11 रन से रोमांचक जीत दिलाई। इस मैच में शमी ने 7 विकेट लेने के अलावा बल्ले से 37 रन भी बनाए। 34 वर्षीय शमी ने 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ भारत के लिए सीमित ओवरों के चार मुकाबले खेलते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सफल वापसी की। चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने शमी के पूरी तरह से फिट नहीं होने की जानकारी देते हुए उन्हें एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए टीम में नहीं चुना। शमी आखिरी बार जून 2023 में टेस्ट फॉर्मेट खेले थे। यह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल मैच था। इंग्लैंड के लिए भारतीय टीम का ऐलान करते हुए अगरकर ने खुलासा किया था कि शमी की फिटनेस संबंधी समस्याओं और टेस्ट मैच में वर्कलोड मैनेजमेंट की बढ़ती चुनौतियों को देखते हुए शमी का चयन नहीं हो पाया।

बंगाल ने जिन 50 संभावित खिलाड़ियों की लिस्ट जारी की, उसमें अभिमन्यु ईश्वरन, आकाश दीप, मुकेश कुमार, शाहबाज अहमद और अभिषेक पोरेल जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

आंद्रे रसेल का इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा

2016 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल को बताया सबसे गर्व का पल

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने ऐलान किया है कि वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 20 और 22 जुलाई को होने वाले दो टी20 मैचों के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। यह दोनों मैच जमैका के सबीना पार्क में खेले जाएंगे, जो रसेल का घरेलू मैदान है। रसेल ने वेस्टइंडीज के लिए 141 मैच खेले और अपनी सबसे यादगार पारी 2016 टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ मुंबई में खेली। उस मैच में भारत ने 193 रन बनाए थे। रसेल जब नंबर 5 पर बल्लेबाजी के लिए आए, तब वेस्टइंडीज को 41 गेंदों में 77 रन की जरूरत थी। रसेल ने नाबाद 43 रन सिर्फ 20 गेंदों में बनाए और आखिरी ओवर में विराट कोहली की गेंद पर छक्का मारकर वेस्टइंडीज को जीत दिलाई।रसेल ने वेस्टइंडीज क्रिकेट को दिए इंटरव्यू में कहा,2016 वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल मेरी जिंदगी का सबसे गर्व भरा पल था। उस समय भारत का पूरा स्टेडियम अपनी टीम को सपोर्ट कर रहा था, जिससे थोड़ा दबाव था। लेकिन पिच अच्छी थी और ड्रेसिंग रूम में हमें आत्मविश्वास था। इसी भरोसे ने मुझे खुलकर खेलने की आजादी दी।

लगाया जुर्माना तो बिफरीं ये क्रिकेटर, कहा- हंगामा करना ठीक नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल पर इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने एक्शन लेते हुए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया. प्रतिका की इंग्लिश खिलाड़ियों लॉरेन फाइलर और सोफी एक्लेस्टोन से टक्कर हो गई, जिसके चलते आईसीसी ने ये एक्शन लिया. प्रतिका के खाते में आईसीसी ने एक डिमेरिट अंक भी जोड़े हैं. अब प्रतिका रावल ने इस पूरे मामले पर सफाई दी है. प्रतिका ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उनका कंधा अनजाने में इंग्लिश खिलाड़ियों से टकराया था और वह केवल अपनी लाइन में दौड़ रही थीं. इसे लेकर हंगामा करना ठीक नहीं है. रावल ने कहा, यह बिल्कुल भी जानबूझकर नहीं था. मैं सिर्फ अपनी दिशा में दौड़ रही थी और यह टकराव बस हो गया. इस पर ज्यादा प्रतिक्रिया देने या हंगामा करने की जरूरत नहीं है. इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे मैच में भारतीय पारी के 18वें और 19वें ओवर में ये वाकया हुआ. 18वें ओवर में प्रतिका रावल रन लेते वक्त इंग्लैंड की तेज गेंदबाज लॉरेन फाइलर से टकरा गईं. वहीं 19वें ओवर में सोफी एक्लेस्टोन की गेंद पर आउट होने के बाद उनकी गेंदबाज से बहस हुई और इस दौरान कंधा भी टकराया.

त्रिकोणीय टी20 सीरीज

कॉन्वे के नाबाद 59 रनों की बदौलत न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे को 8 विकेट से हराया

हरारे, एजेंसी। त्रिकोणीय टी20 सीरीज में मेजबान जिम्बाब्वे को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा है। दक्षिण अफ्रीका से हारने के बाद जिम्बाब्वे को शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में न्यूजीलैंड ने 8 विकेट से हरा दिया। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था। जिम्बाब्वे ने पहले बैटिंग करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 120 रन बनाए।जिम्बाब्वे के लिए सर्वाधिक 36 वेस्ले मेधवेरे ने बनाए। ब्रायन बेनेट ने 21, सिकंदर रजा और रेयान बर्ल ने 12-12 और टोनी मुनयोंगा ने 13 रन बनाए। बल्लेबाज शुरुआत मिलने के बाद भी बड़ी पारी नहीं खेल पाए और यही वजह रही कि टीम 121 रन का मामूली लक्ष्य न्यूजीलैंड के सामने रख पाई। न्यूजीलैंड के लिए मैट हेनरी ने एक बार फिर घातक गेंदबाजी की। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने 4 ओवर में 26 रन देकर 3 विकेट लिए। इसके अलावा एडम मिल्ने, मिशेल सेंटनर, माइकल ब्रेसवेल और रचिन रवींद्र को 1-1 विकेट मिला। न्यूजीलैंड ने 13.5 ओवर में 2 विकेट पर 122 रन बनाकर मैच 8 विकेट से जीत लिया। कीवी टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने टिम सिफर्ट के रूप में 5 के स्कोर पर अपना पहला विकेट खो दिया। दूसरे विकेट के लिए डेवोन कॉन्वे और रचिन रवींद्र ने 59 रन की साझेदारी की। टीम का स्कोर जब 64 था, उस समय रवींद्र 19 गेंद पर 4 छक्के और 1 चौके लगाते हुए 30 रन बनाकर आउट हुए। कॉनवे ने इसके बाद डेरिल मिचेल के साथ 58 रन जोड़ते हुए टीम को 8 रन से जीत दिला दी। कॉनवे 40 गेंद पर 2 छक्के और 4 चौके की मदद से 59 रन और मिचेल 19 गेंद पर 1 छक्का और 1 चौके की मदद से 26 रन बनाकर नाबाद रहे। कॉन्वे को उनकी 59 रन की नाबाद पारी के लिए मैच का श्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

ऋतुराज ने यॉर्कशायर के साथ चैंपियनशिप करार से नाम वापस लिया

लीड्स, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ व्यक्तिगत कारणों के चलते इस सीजन यॉर्कशायर की ओर से काउंटी चैंपियनशिप नहीं खेलेंगे। गायकवाड़ ने यॉर्कशायर के साथ पांच मुकाबलों के लिए डील की थी। काउंटी चैंपियनशिप की शुरुआत 22 जुलाई से होने जा रही है। यॉर्कशायर की टीम अपना पहला मैच सरे के खिलाफ खेलेगी।

यॉर्कशायर के हेड कोच एंथनी मैक्ग्राथ ने बताया कि काउंटी टीम ऋतुराज गायकवाड़ के विकल्प पर विचार कर रही है। एंथनी मैकग्राथ ने कहा, दुर्भाग्य से गायकवाड़ व्यक्तिगत कारणों के चलते अभी टीम से नहीं जुड़ रहे हैं। वह स्कारबोरो या बाकी सीजन में टीम के लिए नहीं खेल पाएंगे। यह निराशाजनक है। मैं आपको इसके कारणों के बारे में कुछ नहीं बता सकता, लेकिन हमें उम्मीद है कि सब कुछ ठीक होगा।

सीनियर महिला राष्ट्रीय शिविर के लिए 40 खिलाड़ी चयनित, हॉकी इंडिया ने की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले शिविर में शामिल सभी खिलाड़ियों को इसमें भी मौका दिया गया है। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने एक विज्ञप्ति में कहा, यह शिविर काफी अहम समय पर लगाया जा रहा है। हॉकी इंडिया ने यहां 21 जुलाई से 29 अगस्त तक भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र (साइ) पर होने वाले सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिये 40 खिलाड़ियों के नाम की घोषणा की। पांच सितंबर से चीन के हांगझोउ में होने वाले महिला एशिया कप को देखते हुए यह शिविर काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है । यह टूर्नामेंट 2026 एफआईएच महिला विश्व कप में सीधे क्वालीफाई करने का भी जरिया होगा ।

पिछले शिविर में शामिल सभी खिलाड़ियों को इसमें भी मौका दिया गया है। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने एक विज्ञप्ति में कहा, यह शिविर काफी अहम समय पर लगाया जा रहा है । एशिया कप प्रतिष्ठित टूर्नामेंट होने के साथ विश्व कप 2026 में सीधे जगह बनाने का जरिया भी है । हमारा पूरा फोकस मानसिक और शारीरिक रूप से खुद को तैयार करने पर होगा। उन्होंने कहा, हमने प्रदर्शन में निरंतरता बनाये रखने के लिये पिछले शिविर के कोर ग्रुप को बरकरार रखा है । यूरोप में प्रो लीग में हमें मनचाहे नतीजे नहीं मिले लेकिन इस शिविर से हमे आत्ममंथन करके मजबूती से वापसी का मौका मिलेगा। भारतीय सीनियर कोर ग्रुप की सूची इस प्रकार है।

गोलकीपर: सविता, बिछू देवी खारीबम, बांसरी सोलंकी, माधुरी किंडो, समीक्षा सक्सेना।

डिफेंडर: महिमा चौधरी, निक्की प्रधान, सुशीला चानू, उदिता, इशिका चौधरी, ज्योति छत्री, ज्योति, अक्षता ढेकाले, अंजना डुंगडुंग, सुमन देवी।

मिडफील्डर: सुजाता कुजूर, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नेहा, सलीमा टेटे, मनीषा चौहान, अजमीना कुजूर, सुनेलिटा टोप्पो, लालरेम्सियामी, शर्मिला देवी, बलजीत कौर, महिमा टेटे, अलबेला रानी टोप्पो, पूजा यादव।

फॉरवर्ड: दिपिमोनिका टोप्पो, रितिका सिंह, दीपिका सोरेंग, नवनीत कौर, संगीता कुमारी, दीपिका, रूतुजा पिसल, ब्यूटी डुंगडुंग, मुमताज खान, अन्नु, चंदना जगदीश, काजल अत्पडकर।

डब्ल्यूसीएल 2025

इंडिया-पाक मैच से पहले मचा बवाल; युवराज, रैना, धवनपर भड़के फैंस

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 की शुरुआत 18 जुलाई से हो चुकी है और इसमें इंडिया चैंपियंस टीम भी हिस्सा ले रही है। इस सीजन में एक बार फिर से युवराज सिंह की कप्तानी में ये टीम अपने खिताब को डिफेंड करने उतरेगी। इंडिया ने इस लीग के

पहले सीजन में फाइनल में पाकिस्तान को हराकर पहली बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। अब इस सीजन में इंडिया का पहला मैच पाकिस्तान के साथ 20 जुलाई को होना है, लेकिन इससे पहले बवाल मच गया है। पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले इंडिया चैंपियंस के लिए खेल रहे खिलाड़ियों पर क्रिकेट फैंस बुरी तरह से भड़क गए हैं और सोशल मीडिया पर इन खिलाड़ियों को जमकर ट्रोल किया जा रहा है।दरअसल कुछ दिनों पहले पहलगाम हमले में 26 भारतीय नागरिकों की हत्या कर दी गई थी और उसके बाद भारत-पाकिस्तान संबंध में और तनाव पैदा हो गया था। भारत ने इस घटना के बाद कई कड़े कदम उठाए

एशिया कप 2025 पर गहराया संकट

बीसीसीआई ने कहा- टीम इंडिया नहीं लेगी हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 को लेकर संकट के बादल गहराने लगे हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने एशियन क्रिकेट काउंसिल की 24 जुलाई को बांग्लादेश की राजधानी ढाका में प्रस्तावित सालाना बैठक को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। बीसीसीआई ने साफ कर दिया है कि अगर बैठक का स्थान नहीं बदला गया, तो वह बैठक में लिए गए किसी भी फैसले को स्वीकार नहीं करेगा। सूत्रों के मुताबिक, बीसीसीआई ने बांग्लादेश में मौजूदा हालात और वहां बढ़ते राजनीतिक तनाव को देखते हुए पहले ही एसीसी से बैठक का स्थान बदलने की मांग की थी। हालांकि, एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। बता दें कि मोहसिन नकवी फिलहाल पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष होने के साथ-साथ एसीसी के भी अध्यक्ष हैं। बीसीसीआई से जुड़े सूत्रों का कहना है कि एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी भारत पर अनावश्यक दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, हमने ढाका में मौजूदा हालात को देखते हुए समय रहते बैठक का स्थान बदलने की अपील की थी। लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। ऐसे में अगर एसीसी ढाका में बैठक आयोजित करता है, तो बीसीसीआई उस बैठक में लिए गए किसी भी फैसले को नहीं मानेगा।

कोई ऑस्ट्रेलिया से, कोई भारत से... इन 11 खिलाड़ियों के दम पर इटली ने पाया टी20 वर्ल्ड कप टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी। इटली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अगले साल होने वाले मेन्स टी20 वर्ल्ड कप में अपनी जगह पक्की कर ली थी. इटली की टीम ने पहली पार किसी क्रिकेट वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई किया, ऐसे में ये उसके लिए ऐतिहासिक पल रहा. इटली ने टी20 वर्ल्ड कप यूरोप क्वालिफायर 2025 में दूसरा स्थान हासिल करके ये उपलब्धि हासिल की. अब इतालवी खिलाड़ी भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अपना जलवा बिखेरेंगे. इटली में फुटबॉल काफी लोकप्रिय है, हालांकि पिछले दो स्नढ्ढस्र वर्ल्ड कप के लिए इटली की फुटबॉल टीम क्वालिफाई नहीं कर पाई. वहीं 2026 के वर्ल्ड कप में भी इटली की फुटबॉल टीम का भाग लेना तय नहीं है. फुटबॉल टीम क्वालिफाई करे या ना करे. लेकिन क्रिकेट टीम ने जरूर टी20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई कर लिया है.

इटली को टी20 वर्ल्ड कप टिकट दिलाने में बाहरी खिलाड़ियों का अहम रोल रहा है. नीदरलैंड्स के

खिलाफ मैच में जिन 11 खिलाड़ियों ने भाग लिया, उसमें से 5 का ताल्लुक ऑस्ट्रेलिया से था. वहीं दो खिलाड़ी एशियाई मूल थे. जबकि दो खिलाड़ियों का संबंध ब्रिटेन से भी है. जबकि 2 प्लेयर इतालवी मूल के थे.

1. थॉमस ड्रेका: सिडनी में जन्मे थॉमस ड्रेका ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के मेगा ऑक्शन के लिए अपना नाम रजिस्टर कराया था, जिसके चलते वो सुर्खियों में आए थे. ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज डेनिस लिली इस खिलाड़ी के अंकल माने जाते हैं. ड्रेका की मां इतालवी मूल की हैं और उनका ताल्लुक नेपल्स के पास के एक गांव से है. इसी कारण ड्रेका को इटली के लिए खेलने का मौका मिला.

2. जो बर्न्स: इस खिलाड़ी के नाम से तो फैन्स अच्छी तरह वाकिफ होंगे. बर्न्स ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 23 टेस्ट और 6 वनडे मुकाबले खेले. साल 2024 में अपने बड़े भाई डोमिनिक के निधन के बाद उन्होंने इटली के लिए खेलने का निर्णय लिया. बर्न्स के नाना-नानी कैलाब्रिया से थे, जिसके चलते उन्हें इटली के लिए खेल पाने में आसानी हुई.

3. हैरी जॉन मैनेंट: बिग बैश लीग में हैरी मैनेंटी एडिलेड स्ट्राइकर्स का प्रतिनिधित्व करते हैं. हैरी इटली के ऐसे पहले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने किसी टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में 5 विकेट झटके. ऑस्ट्रेलिया में जन्मे हैरी की क्रिकेट जर्नी ग्रासरूट लेवल से शुरू हुई थी. ऑलराउंड प्रदर्शन के चलते हैरी टी20 वर्ल्ड कप यूरोप क्वालिफायर में प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे.

4. बेन मैनेंटी: हैरी मैनेंटी के बड़े भाई बेन भी इटली के लिए खेलते हैं. ऑफ स्पिन गेंदबाज बेन ऑस्ट्रेलिया में सिडनी सिक्सर्स और तस्मानिया के लिए खेल चुके हैं. हैरी और बेन की दादी इतालवी मूल की थी. इसी चलते दोनों भाइयों को इटली के लिए खेलने का अवसर मिल गया.

5. ग्रांट स्टीवर्ट: ऑस्ट्रेलिया में जन्मे ग्रांट स्टीवर्ट की मां इटालियन हैं, जिसके कारण वो इटली की टीम में शामिल हुए. स्टीवर्ट ने साल 2017 में केंट के लिए फर्स्ट क्लास डेब्यू किया. स्टीवर्ट फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 2000 से ज्यादा रन बना चुके हैं, साथ ही उन्होंने 100 से ज्यादा विकेट भी चटकाए हैं.

6. एमिलियो गे: 25 साल के एमिलियो का जन्म इंग्लैंड के ब्रेडफोर्ड में हुआ था. बाएं हाथ के बल्लेबाज एमिलियो की मां इतालवी हैं, जिसके चलते उन्हें इटली के लिए खेलने में आसानी हुई है. एमिलियो ने हाल ही में इंग्लैंड लॉयन्स की ओर से भारत-ए के खिलाफ दो फर्स्ट क्लास मुकाबले खेले थे. उसके कुछ दिनों बाद ही उनकी इतालवी टीम में एंट्री हुई.

हर किरदार कुछ नया सबक देता है : कनिका मान

अभिनेत्री कनिका मान अपनी अपकमिंग फिल्म के लिए कार चलाना सीख रही हैं। अनटाइटल्ड फिल्म को लेकर उत्साहित कनिका का मानना है कि हर किरदार कुछ नया सिखाता है। फिल्म में उनके किरदार के लिए सड़क पर कुछ महत्वपूर्ण सीन्स की शूटिंग करनी है।

कनिका ने कहा, मेरा हमेशा से मानना है कि हर किरदार आपको कुछ नया सिखाता है। इस बार यह कार चलाना है! उन्होंने आगे बताया, कभी-कभी यह डरावना लगता है, लेकिन गाड़ी चलाना और यह जानना कि मैं यह अपनी फिल्म के लिए सीख रही हूं, जो मेरे दिल के बहुत करीब है, बेहद रोमांचक है। मुंबई की व्यस्त सड़कों और बारिश के बावजूद कनिका नियमित रूप से ड्राइविंग सीख रही हैं। उनकी लगन और उत्साह उनके किरदार के प्रति समर्पण को दिखाते हैं। कनिका को टीवी धारावाहिक 'गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा' में गुड्डन जिंदल और गुड्डन बिड़ला के दोहरे किरदार के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक मॉडल के रूप में की और कई पंजाबी म्यूजिक वीडियो में नजर आईं। साल 2017 में उन्होंने पंजाबी फिल्म 'रॉकी मेंटल' से शुरुआत की थी, जिसमें उनके साथ अभिनेता धीरज कुमार मुख्य किरदार में थे। साल 2018 में कनिका ने कन्नड़ फिल्म 'बृहस्पति' से डेब्यू किया और उसी साल पंजाबी फिल्म 'दाना पानी' में माघी का किरदार निभाया। टीवी पर उनकी शुरुआत बढ़ो बहू से हुई, जहां वह प्रिंस नरूला के साथ तितली के किरदार में नजर आई थीं।

एपी संग काम करने का अनुभव काफी शानदार रहा: तारा सुतारिया

एपी ढिल्लन ने गायिका श्रेया घोषाल और अभिनेत्री तारा सुतारिया के साथ मिलकर गाना थोड़ी सी दारू तैयार किया है। तारा ने बताया है, कि को-एक्टर के साथ काम करने का अनुभव बेहद खास रहा है। तारा ने बताया, जब मैंने पहली बार यह गाना सुना था, तो मैं इसकी दीवानी हो गई थी। यह एक मजेदार गाना है और एपी के रिकॉर्ड में मैंने जो पहले सुना था, उससे बिल्कुल अलग है।

उन्होंने आगे कहा, एपी के साथ शूट काफी मजेदार था, शूट का माहौल काफी हल्का और खुशनुमा था। हमने शूटिंग के दौरान खूब मस्ती की, जिस वजह से शूटिंग काफी अच्छी तरह से हो गई। अभिनेत्री ने गायिका श्रेया घोषाल की भी तारीफ करते हुए कहा, इस साल फिर से श्रेया मैम की आवाज पर एक्ट करना मेरे लिए बहुत खुशी और सम्मान की बात है। उनकी आवाज ने इस गाने को और भी निखार दिया है। मुझे उम्मीद है कि फैंस इसे उतना ही पसंद करेंगे, जितनी हमने इसे बनाने में मेहनत की है। गाने के बारे में एपी ढिल्लन ने कहा, मैं हमेशा से नए तरह के संगीत और वाइब्स के साथ काम करना पसंद करता हूं और इस गाने में श्रेया घोषाल के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। उनकी आवाज ने गाने को और मधुर बना दिया है, वहीं गाने में तारा ने गाने में और भी आकर्षण भर दिया। ढिल्लन ने कहा, वह उस माहौल को समझ गईं, जिसे हम दर्शकों को दिखाना चाहते थे, जिसके बाद आसानी से वह कहानी का अहम हिस्सा बन गईं। गायिका श्रेया घोषाल ने गाने में अपनी आवाज दी है।

बागी 4 को लेकर सोनम बाजवा ने दी नई अपडेट

हाल ही में अभिनेत्री सोनम बाजवा ने फिल्म बागी 4 को लेकर बड़ी अपडेट दी है। इससे पहले टाइगर श्रॉफ ने इसके बारे में अपडेट दी थी। मशहूर पंजाबी अभिनेत्री सोनम बाजवा ने टाइगर श्रॉफ के साथ अपनी दूसरी बॉलीवुड फिल्म बागी 4 की शूटिंग पूरी कर ली है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर इसकी जानकारी दी है। सोनम बाजवा ने एक पोस्ट में अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें क्लैपरबोर्ड के साथ पोज दे रही हैं। इसके साथ उन्होंने एक पोस्ट भी लिखी है और फिल्म के बारे में जानकारी दी है। सोनम बाजवा ने सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा है और बस यूं ही बागी 4 की शूटिंग पूरी हो गई। यह मेरी दूसरी हिंदी फिल्म है। यह एक ऐसा सफर है जो जोश और विश्वास से बुना गया है। मेरे शानदार निर्देशक ए. हर्षा, हमारे दूरदर्शी निर्माता साजिद सर, मेरे अद्भुत सह-कलाकार टाइगर श्रॉफ और इस कहानी में अपना सब कुछ देने वाली दीशी जिंदल समेत हर व्यक्ति का आभार।

मुझे लगा कि मैं मरने वाली हूं

मनीषा ने सुनाई कैंसर के दिनों की कहानी

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री और कैंसर से जंग जीत चुकी मनीषा कोइराला ने हाल ही में लंदन में एक खास कार्यक्रम में अपने बारे में बहुत खास बातें बताई हैं। हियर एंड नाउ 365 की तरफ से आयोजित इस कार्यक्रम में मनीषा ने बताया कि जब उन्हें कैंसर हुआ था, तब वह कैसा महसूस कर रही थीं? मनीषा कोइराला को साल 2012 में अंडाशयी कैंसर का पता चला था। उन्होंने उस क्षण को याद किया, जब उन्होंने पहली बार यह खबर सुनी थी। उन्होंने कहा जब डॉक्टर ने मुझे बताया कि मुझे कैंसर है, तो मैंने सोचा, बस हो गया। मैं मर जाऊंगी। लेकिन ईश्वर की कृपा से, मैं नहीं मरी। मैंने फिर से जीना सीख लिया। कैंसर होने के बाद उन्होंने जो जिंदगी जी उसके बारे में बताते हुए मनीषा ने कहा लचीलापन कोई बहुत बड़ी बात नहीं है। यह पल-पल लिए गए छोटे-छोटे फैसलों की एक श्रृंखला है। कोइराला हियर एंड नाउ 365 के संस्थापक मनीष तिवारी के साथ बातचीत कर रही थीं।

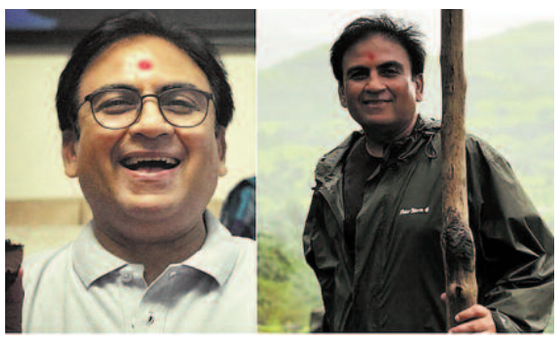

45 दिनों में कैसे कम किया 16 किलो वजन, अब जेठालाल ने खुद बताई सच्चाई

पिछले दिनों जेठालाल यानी कि दिलीप जोशी के वजन कम करने और गजब के ट्रांसफॉर्मेशन की खबरें काफी सुर्खियों में रही थीं। अब अभिनेता ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

टीवी के पॉपुलर शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के जेठालाल यानी दिलीप जोशी पिछले दिनों तब सुर्खियों में आ गए जब उनके 45 दिनों में 16 किलो वजन कम करने की खबर सामने आई। इसके बाद हर कोई उनके इस गजब ट्रांसफॉर्मेशन की तारीफ करने लगा। अब इस खबर पर खुद जेठालाल की प्रतिक्रिया सामने आई है।

दिलीप जोशी बोले- 1992 में किया था कम

हाल ही में दिलीप जोशी एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस दौरान जब वो रेड कार्पेट पर पोज देने के लिए आए, तो वहां मौजूद फोटोग्राफर्स और पैपराजी ने उनसे उनके वजन कम करने को लेकर सवाल किया। फोटोग्राफर्स ने जेठालाल से इतने कम समय में इतना अधिक वजन कम करने का राज पूछा। इस पर दिलीप जोशी ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'अरे 1992 में किया था भाई। अभी पता नहीं किसी ने सोशल मीडिया पर चला दिया यार।' अब दिलीप जोशी का ये जवाब तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पिछले दिनों आई थी खबर

पिछले दिनों ऐसी खबरें सुर्खियां बनी थीं कि जेठालाल यानी दिलीप जोशी ने सिर्फ 45 दिनों में 16 किलो वजन कम कर लिया है। वो भी बिना जिम जाए, सिर्फ अपनी डाइट को कंट्रोल करके। ऐसे में इस खबर के सामने आने के बाद हर कोई हैरान था और दिलीप जोशी से इसके पीछे का राज जानना चाहता था। 57 वर्षीय अभिनेता ने अपने इस बदलाव का क्रेडिट अपनी अनुशासित दिनचर्या को दिया।

एक साथ रिलीज हुई करण टैकर की फिल्म और वेब सीरीज

अभिनेता करण टैकर के लिए आज का दिन बहुत ही खास है, क्योंकि आज के दिन उनके दो प्रोजेक्ट्स रिलीज हो रहे हैं। एक ओर जहां सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' में करण टैकर एक अहम किरदार में नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरी ओर ओटीटी पर करण टैकर केके मेनन स्टारर वेब सीरीज 'स्पेशल ऑप्स 2' में भी एक मुख्य भूमिका में दिखाई दे रहे हैं। एक ही दिन अपने दो प्रोजेक्ट्स रिलीज होने पर अब करण टैकर ने प्रतिक्रिया दी है।

'मैं इसे कैसे स्वीकार करूं'

लोगों के करियर में बहुत कम बार ऐसा देखने को मिलता है जब एक ही दिन पर उनके दो प्रोजेक्ट्स रिलीज हों। ऐसे में इस खास मूमेंट को लेकर करण टैकर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर अपनी भावनाएं जाहिर की हैं। वीडियो में करण कहते हैं, मेरे करियर में यह पहली बार है कि मेरी दो फिल्में एक ही दिन रिलीज हो रही हैं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं इसे कैसे स्वीकार करूं। मैं बहुत नर्वस और बेचैन हूं क्योंकि दोनों की भूमिकाएं एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं और दोनों बिल्कुल अलग प्लेटफॉर्म पर हैं। एक फिल्म है, जबकि दूसरी ओटीटी पर। हालांकि, मैं इस बात से उत्साहित हूं कि दर्शकों ने मुझे डेढ़ साल से नहीं देखा है और अब वे मुझे और भी ज्यादा देख पाएंगे। लेकिन साथ ही प्रतिक्रियाओं ने मुझे लगातार चौकन्ना रखा है और मेरी रातों की नींद उड़ा दी है। इसलिए मैं बहुत आभारी महसूस कर रहा हूं और हां, मैं इंतजार नहीं कर सकता।

अभिनेत्री फातिमा सना शेख की दो फिल्में मेट्रो इन दिनों और आप जैसा कोई हाल ही में रिलीज हुई। सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट कर सना ने कहा कि बड़े पोस्टर्स और सिनेमाघरों के पर्दे पर खुद को देखना अभी भी सपने जैसा लगता है।

सपने जैसा है बड़े पोस्टर्स और पर्दे पर खुद को देखना: फातिमा सना शेख

फातिमा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए इसे लव लेटर करार दिया। फातिमा ने कैप्शन में लिखा, कभी नहीं सोचा था कि मेट्रो इन दिनों और आप जैसा कोई एक साथ रिलीज होंगी और दोनों को इतना प्यार मिलेगा। उन्होंने दर्शकों से मिल रहे प्यार के लिए आभार जताया और कहा, मैं अभिभूत हूं, आभारी हूं, और अभी भी इस खुशी को आत्मसात कर रही हूं। बड़े पोस्टर्स और पर्दे पर खुद को देखना सपने जैसा है। उन्होंने निर्देशक अनुराग बसु और विवेक सोनी को धन्यवाद देते हुए कहा कि दोनों ने उन्हें चुनौती दी, मार्गदर्शन किया और उनके दिल को प्यार से भर दिया। फातिमा ने लिखा, आपके प्यार, इस खूबसूरत सफर और मुझे सही मायनों में समझने के लिए शुक्रिया। मेट्रो इन दिनों आधुनिक रिश्तों की मुश्किलों को पर्दे पर उतारती है, जिसमें प्रेम, दिल टूटने और मानवीय रिश्तों की कहानियां हैं। अनुराग बसु के निर्देशन में बनी इस फिल्म में फातिमा सना शेख के साथ आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अनुपम खेर और नीना गुप्ता जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म साल 2007 में आई अनुराग बसु की लाइफ इन अ... मेट्रो की सीक्वल है, जो शादी, प्रेम और रिश्तों जैसे विषयों को छूती है।

अंकिता लोखंडे का शायराना अंदाज, बोलीं- खूबसूरती को बताया सूरज की रोशनी सरीखा

छोटे पर्दे की बड़ी अभिनेत्री अंकिता लोखंडे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उन्होंने एक पोस्ट शेयर किया जिसमें वह अनफिल्टर्ड खूबसूरती को लेकर विचार साझा कर रही हैं। शायराना अंदाज में नेचुरल ब्यूटी की खासियत बता रही हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह बालकनी में खड़ी होकर पोज देती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बॉडीकॉन ड्रेस पहन रखी है, जिसके साथ उन्होंने बाल खोल रखे हैं। तस्वीर पोस्ट कर कैप्शन में लिखा,नेचुरल ब्यूटी को न ही तो आप फिल्टर कर सकते हैं, न ही प्लान, यह उस तरह है जैसे हवा बिखरे बालों में गुनगुनाती है, जैसे सूरज की रोशनी आपको महसूस होती है। अंकिता का ये शायराना अंदाज पति विक्की की तारीफ करते हुए भी दिखा था। एक पोस्ट में उन्होंने रिश्ते, सादगी और मुस्कान को लेकर खूबसूरत लाइनें लिखी थीं। इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, सादगी में भी शान होती है, प्यार की भी अपनी एक पहचान होती है। उसकी मुस्कान में मेरी दुनिया और मेरी चुप्पी में उसकी जान होती है, कुछ रिश्ते बेमिसाल होते हैं, जिन्हें बस दिल से निभाना होता है। वर्कफ्रंट की बात करें, तो अंकिता को टीवी शो पवित्र रिश्ता से घर-घर पहचान मिली। शो में उनका नाम 'अर्चना' था और उनके साथ लीड रोल में सुशांत सिंह राजपूत थे। छोटे पर्दे के अलावा, अंकिता मणिकर्णिका- द क्वीन ऑफ झांसी (2019), बागी 3 (2020), और स्वातंत्र्य वीर सावरकर जैसी फिल्मों में भी दिखाई दी हैं। अभिनेत्री फिलहाल कॉमेडी रिएलिटी शो लाफ्टर शेफ्स फन अनलिमिटेड 2 में अपने पति विक्की जैन के साथ नजर आ रही हैं। शो में उनके साथ कृष्णा अभिषेक, राहुल वैद्य, करण कुंद्रा, निया शर्मा, रीम शेख, सुदेश लहरी, एल्विश यादव, रुबीना दिलैक, अली गोनी और कश्मीरा शाह भी प्रतियोगी हैं। इस शो की मेजबानी भारती सिंह और जज हरपाल सिंह सोखी कर रहे हैं। अंकिता और विक्की जैन ने दिसंबर 2021 में मुंबई के ग्रैंड हयात में आयोजित एक भव्य समारोह में शादी की थी।

दर्शकों पर चला अहान पांडे-अनीत पड्डा का जादू

अहान पांडे के डेब्यू की खबरें लंबे वक्त से फिल्म जगत की सुर्खियों में थीं। आज आखिर 18 जुलाई को उनकी फिल्म सिनेमाघरों में लग चुकी है। यशराज फिल्म्स ने इस नए सितारे को उतारा है। उनके साथ ही फिल्म में नजर आईं अनीत पड्डा की भी यह पहली फिल्म है। जानिए मोहित सूरी के निर्देशन में बनी दो नए सितारों की फिल्म ने कैसी ओपनिंग ली है?

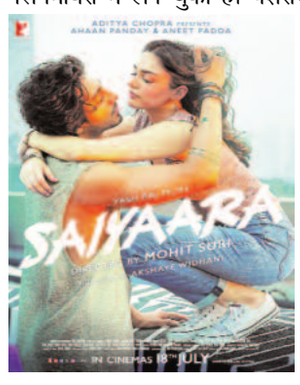

रिलीज से पहले से फिल्म सैयारा को लेकर जबर्दस्त बज बना हुआ है। इसी के साथ अहान पांडे के डेब्यू को लेकर भी इंडस्ट्री में खूब चर्चाएं होती रहीं। इस साल कई नए सितारों ने इंडस्ट्री में दस्तक दी है, मगर सबका जादू फीका सा रहा है। इस बीच निगाहें अहान पांडे पर टिकी थीं, जो पिछले दो-तीन साल से इस फिल्म के लिए तैयारी कर रहे थे। अब जब उन्होंने सिनेमा के मैदान में कदम रखे हैं तो दर्शकों पर जादू चल पड़ा है। ओपनिंग डे की कमाई के आंकड़े तो कुछ यही संकेत दे रहे हैं।

फिल्म सैयारा ने पहले दिन धमाल किया है। इसने डबल डिजिट में खाता खोला है। फिल्म ने शाम के शोज तक 12 करोड़ 35 लाख रुपये कमा लिए हैं। अंतिम आंकड़े आने तक इस कलेक्शन में और इजाफा दर्ज होगा। मीडिया रिपोर्ट्स में फिल्म सैयारा का बजट करीब 45 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' के रोल को सलमान ने बताया चैलेंजिंग

अपूर्व लाखिया निर्देशित फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' में सलमान खान एक ऑर्मी ऑफिसर के रोल में नजर आएंगे। यह फिल्म भारत और चीन के बीच 2020 में गलवां घाटी में हुए संघर्ष पर आधारित है। हाल ही में पीटीआई से की गई बातचीत में सलमान खान ने फिल्म में अपने किरदार को लेकर बात की। साथ ही इस रोल के लिए अपने एफर्ट पर भी बात की है। सलमान खान कहते हैं, 'फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' का किरदार फिजिकली (शारीरिक तौर पर) मेरे लिए चैलेंजिंग है। हर दिन यह और भी मुश्किल होता जा रहा है। मुझे ट्रेनिंग के लिए ज्यादा समय देना होगा। पहले मैं इस फिल्म के लिए एक या दो हफ्ते में ट्रेनिंग लेता था। अब मैं रनिंग कर रहा हूं, किक बॉक्सिंग कर रहा हूं। यह सब फिल्म के लिए करना जरूरी है।' सलमान खान आगे कहते हैं, 'जब मैं फिल्म सिकंदर कर रहा था तो उसका एक्शन अलग था, वह किरदार अलग था। लेकिन 'बैटल ऑफ गलवां' का रोल फिजिकली अलग है, मुश्किल है। इसके लिए मुझे लद्दाख के ऊंचे पहाड़ों पर और ठंडे पानी में शूटिंग भी करनी है, जो कि एक चैलेंजिंग काम है।'